राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 204 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरुवार ,14 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

किसानों ने नए कृषि कानूनों की प्रतियां जला मनाई लोहड़ी

नई दिल्ली, एजेंसियां। सुप्रीम कोर्ट ने कृषि कानूनों के मसले पर किसानों और सरकार के बीच गतिरोध खत्म करने और बातचीत के जरिए हल निकालने की पहल जरूर की है लेकिन गतिरोध थमता नजर नहीं आ रहा है। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का विरोध-प्रदर्शन बुधवार को 49वें दिन भी जारी रहा। किसान संगठनों ने अपनी अगली रणनीति के मसले पर बैठक की। बैठक के बीच किसानों ने लोहड़ी के मौके पर नए कृषि कानूनों की प्रतियां जलाई। संकेत साफ हैं कि किसान आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज करेंगे। वहीं इस मसले पर सियासत भी जारी है।

सरकार ने किसान संगठनों से कहा है कि वे कृषि कानूनों पर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से गठित किए गए पैनल की कार्यवाही में शामिल हों। इस बीच केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने कहा कि सरकार किसान संगठनों के साथ लगातार बातचीत के पक्ष में है, क्योंकि उसका मानना है कि मसले का हल बातचीत से ही निकलेगा।

नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 40 किसान संगठनों के संयुक्त किसान मोर्चा आंदोलन को धार देने की अपनी रणनीति तय करने के लिए बैठक भी कर रहा है।

किसान संगठनों का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनाई गई समिति सरकार समर्थक है। उनका कहना है कि उन्हें तीनों कृषि कानूनों को वापस लिए जाने से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। हालांकि, किसानों ने कृषि कानूनों के अमल पर रोक लगाए जाने के फैसले का स्वागत किया है।

वहीं, सरकार और विपक्षी दलों के बीच वार पलटवार का सिलसिला जारी है। कांग्रेस ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी के जिन चार सदस्यों को चुना है... वे तो पहले से ही मोदी जी के कानूनों के समर्थक हैं। ऐसी कमेटी के सदस्य क्या न्याय करेंगे। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि प्रधानमंत्री जी... इतने अहंकारी मत बनिए किसानों की सुनिए, नहीं तो देश आपकी बात सुनना बंद कर देगा।

कांग्रेस के बयान पर सरकार ने भी करारा पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नक़वी ने कांग्रेस पर क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि कुछ लोग क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी का संदूक लेकर किसानों के कंधे पर बंदूक चला रहे हैं। ये लोग किसानों के हितैषी नहीं हैं। भ्रम का माहौल पैदा करने वाले ये लोग ट्रेडिशनल प्रोफेशनल भ्रमजाल के जादूगर हैं।

केंद्रीय कृषि राय मंत्री कैलाश चौधरी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा कमेटी बनाई गई है, निश्चित रूप से आने वाले समय में सबसे निष्पक्ष राय लेगी। यदि पुराने कानून इतने अछे होते तो किसान गरीब और आत्महत्या के लिए मजबूर नहीं होता। इस कानून को कुछ समय देखें यदि कुछ नहीं लगेगा तो भविष्य में और भी संशोधन किए जा सकते हैं। सर्वोच अदालत द्वारा गठित कमेटी किसानों से वार्ता करने के बाद ही फैसला लेगी।

राहुल का सरकार पर तंज–वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार ट्रैक्टर रैली से डर गई है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने ट्वीट कर कहा, 60 से ज़्यादा अन्नदाता की शहादत से मोदी सरकार शर्मिंदा नहीं हुई, लेकिन ट्रैक्टर रैली से इन्हें शर्मिंदगी हो रही है। राहुल ने एक अन्य ट्वीट में समिति पर सवाल उठाते हुए कहा... क्या कृषि-विरोधी कानूनों का लिखित समर्थन करने वाले व्यक्तियों से न्याय की उम्मीद की जा सकती है। यह लड़ाई किसान विरोधी कानूनों के खत्म होने तक जारी रहेगी। जय जवान, जय किसान...।

चीन से तनाव के बीच वायु सेना को मिलेंगे 83 फाइटर जेट तेजस, सरकार ने 48 हजार करोड़ की डील को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राफेल के बाद भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सरकार ने देश में ही बने 83 तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी है। इस सबसे बड़ी स्वदेशी रक्षा खरीद में करीब 48,000 करोड़ रुपये की लागत से एचएएल द्वारा निर्मित चौथी प्लस श्रेणी के 73 लड़ाकू तेजस विमान और 10 ट्रेनर विमान खरीदे जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) की बुधवार को हुई बैठक में वायुसेना की ताकत में इजाफे के लिए इस बड़े खरीद प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजस की खरीद का यह फैसला मील का पत्थर साबित हो सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने कैबिनेट के इस फैसले पर ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस ने इस सबसे बड़े ऐतिहासिक स्वदेशी रक्षा सौदे पर मुहर लगा दी है। एलसीए तेजस की ताकत वायुसेना को मजबूत करेगी और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य के लिए भी यह गेम चेंजर साबित होगा। वायुसेना को तेजस विमान देने के लिए एचएएल के साथ इस सौदे के आकार की व्यापकता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि करीब 500 एमएसएमई क्षेत्र की स्वदेशी कंपनियां इनके निर्माण में एचएएल के साथ काम करेंगी।। यह सौदा भारतीय वायुसेना की मदद करेगा। इससे लड़ाकू विमान स्क्वाड्रन की संख्या में गिरावट को रोकने में मदद होगी।

स्वदेशी तेजस विमानों को पहले ही वायुसेना में शामिल किया जा चुका है और वायुसेना अब इन विमानों के अपने बेड़े में इजाफा करना चाहती है। तेजस अपनी श्रेणी का एक बेहद आधुनिक और उन्नत फाइटर जेट है जो हवा से हवा में ही नहीं, हवा से जमीन पर भी मिसाइलें और राकेट दाग सकता है। संवेदनशील इलेक्ट्रानिक स्कैन आरे रडार से युक्त एमके- 1ए वर्जन तेजस लड़ाकू विमान बियांड विजुअल रेंज (बीवीआर) मिसाइल, इलेक्ट्रानिक वार फेयर सुइट से भी लैस हैं। खास बात यह है कि हवा में ही रिफ्यूलिग की क्षमता तेजस को एक बेहद ताकतवर लड़ाकू विमान बनाती है। भारतीय वायुसेना की सैन्य और रणनीतिक आपरेशनल जरूरतों के हिसाब से यह फाइटर जेट बिल्कुल फिट बैठता है। कैबिनेट ने 73 एमके--1ए तेजस विमानों की खरीद के लिए 45,696 करोड़ रुपये और 10 एमके-1 ट्रेनर विमानों की खरीद के लिए 1,202 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह 50 फीसद की स्वदेशी सामग्री के साथ लड़ाकू विमान की पहली खरीद श्रेणी है, जो कार्यक्रम के अंत तक उत्तरोत्तर 60 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी।

मंत्रिमंडल ने परियोजना के तहत वायु सेना द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास को भी मंजूरी दे दी है, ताकि वे अपने बेस डिपो में मरम्मत या सर्विसिंग को सक्षम कर सकें ताकि मिशन क्रिटिकल सिस्टम के लिए टर्नअराउंड के समय को कम किया जाए और ऑपरेशनल उपयोग के लिए विमान की बढ़ती उपलब्धता को बढ़ावा मिलेगा। संबंधित आधारों पर मरम्मत बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के कारण यह भारतीय वायुसेना के बेड़े को और अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से बनाए रखने में सक्षम होगा। पिछले साल स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान की प्रशंसा की गई थी।

तेजस स्वदेशी चौथी पीढ़ी का टेललेस कंपाउंड डेल्टा विंग विमान है। यह फ्लाई बाय वायर फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम, इंटीग्रेटेड डिजिटल एवियोनिक्स, मल्टीमॉड रडार से लैस लड़ाकू विमान है और इसकी संरचना कंपोजिट मटेरियल से बनी है। ज्ञात हो कि हल्के लड़ाकू विमान तेजस को भारतीय वायु सेना द्वारा पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान सीमा के करीब तैनात किया गया है, ताकि वहां से होने वाली किसी भी संभावित कार्रवाई पर कड़ी निगरानी रखी जा सके। ज्ञात हो कि विमानों का पहला स्क्वाड्रन इनिशियल ऑपरेशनल क्लीयरेंस वर्जन का है, वहीं दूसरा 18 स्क्वाड्रन फ्लाइंग बुलेट्स अंतिम ऑपरेशनल क्लीयरेंस वर्जन का है।

किसानों को आंदोलन कर देना चाहिए निलंबितः बार काउंसिल आफ इंडिया

नई दिल्ली । बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआइ) ने किसानों से अपील की है कि सुप्रीम कोर्ट के कृषि कानूनों पर रोक लगाने के फैसले के बाद उन्हें अपना आंदोलन निलंबित कर देना चाहिए। बीसीआइ ने सुप्रीम पर की गई टिप्पणियों और आलोचनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि न्यायपालिका का सम्मान किया जाना चाहिए। ये देश की आखिरी उम्मीद है इसकी छवि खराब नहीं की जानी चाहिए। बीसीआइ के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के हस्ताक्षर से जारी प्रपत्र में किसानों के मामले में आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश की सराहना की गई है। इसमें कहा गया कि मामले की गंभीरता समझने और देश को अराजकता की स्थिति से बचाने के लिए मामले में दखल देने के लिए देश सुप्रीम कोर्ट का आभारी है। लोगों को कोर्ट के आदेश की सराहना करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा उठाया गया कदम देशहित में है और ऐतिहासिक है। कोर्ट का उद्देश्य आंदोलन कर रहे बुजुर्ग, महिला और बच्चों को कड़ाके की ठंड और कोरोना संक्रमण से बचाने का है। बीसीआइ ने कहा कि वह और पूरी वकील बिरादरी कृषि कानूनों में एसडीएम और एडीएम को न्यायिक अधिकार दिये जाने के प्रविधान का विरोध करती है। इसीलिए उसने किसानों के आंदोलन का समर्थन किया था लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने कानूनों के अमल पर रोक लगा दी है, जिसे देखते हुए किसानों को अपना आंदोलन निलंबित कर देना चाहिए।

बीसीआइ ने कहा कि कुछ राजनीतिकों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ की गई गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण हैं। किसी भी संवेदनशील राजनेता से ऐसी टिप्पणियों की उम्मीद नहीं की जाती। इन टिप्पणियों से साबित होता है कि कुछ नेता अपने निजी हितों के चलते संस्था और राष्ट्र को कमजोर करने में लगे हैं। बीसीआइ ने अपील की कि ईमानदार, गंभीर और जिम्मेदार नागरिक आगे आएं और आंदोलन कर रहे किसानों को समझाएं कि वे सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक अपना आंदोलन निलंबित कर दें।

न्यायपालिका की छवि खराब मत करो, ये देश की आखिरी उम्मीद–

उन्होंने कहा कि जो लोग मीडिया में आधारहीन बयान दे रहे हैं वे सुप्रीम कोर्ट के सामने जाकर अपनी बात क्यों नहीं रखते। अगर किसी को कमेटी के गठन पर आपत्ति है तो उसे सुप्रीम कोर्ट में जाकर आदेश में बदलाव का अनुरोध करना चाहिए लेकिन ऐसे लोग समस्या का हल नहीं चाहते।

एक नज़र...

कुवैत के प्रधानमंत्री ने अमीर को इस्तीफा सौंपा

कुवैत सिटी, (एजेंसी)। कुवैत के प्रधानमंत्री सबाह खालिद अल-हमद अल-सबाह ने बुधवार को देश के अमीर (शासक) नवाफ अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह को अपना इस्तीफा सौंप दिया। सरकारी समाचार एजेंसी कुना ने बताया कि श्री अल-सबाह ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। कुवैती सरकार के सदस्यों ने संसद के साथ मतभेदों के मद्देनजर सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। गौरतलब है कि यह कदम सांसदों द्वारा कैबिनेट की संरचना सहित कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री से सवाल करने के लिए प्रस्ताव पेश किए जाने के कई दिनों के बाद उठाया गया है।

राजकोट महानगर तक पहुंच गए तीन शेर

राजकोट, (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट महानगर के निकटवर्ती इलाके में पिछले कुछ समय से देखे जा रहे तीन शेरों को वन विभाग की टीम ने आज पकड़ लिया। गिर वन से भटक कर बाहर राजकोट तक आए तीनो शेरों को सासण गिर से आयी टीम ने बचाव कर पिंजरे में लिया। इन्हें जल्द ही फिर से गिर वन में छोड़ दिया जाएगा। दुनिया में एशियाई शेरों का एक मात्र आवास सौराष्ट्र क्षेत्र का गिर वन राजकोट से ख़ासा दूर है। पर पिछले दिनो यहां शेर देखे जाने से शहर के बाहरी इलाक़े आजी डैम के निकट एक पशु का शिकार किए जाने से शहरीजनो में भय का माहौल था।

अतीक के चचेरे भाई का दो मंजिला भवन ध्वस्त

प्रयागराज, (एजेंसी)। गुजरात की अहमदाबाद जेल में बंद बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद के चेचेरे भाई राशिद उर्फ नीलू के अवैध रूप से बनाये गये दो मंजिले भवन को प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीड़ीए) के अधिकारियों ने बुलडोजर लगाकर बुधवार को ध्वस्त कर दिया। पीडीए क्षेत्रीय अधिकारी आलोक पाण्डेय ने बताया कि चकिया क्षेत्र के कसरिया रोड पर अतीक अहमद के चचेरे भाई राशिद उर्फ नीलू ने अवैध रूप से दो मंजिला भवन 300 से 400 वर्ग गज में बना रखा है। उन्होंने बताया कि इस भवन का प्राधिकरण से कोई नक्शा पास नहीं कराया गया।

हाफिज के दो गुर्गों को 15 साल कैद की सजा

इस्लामाबाद, (एजेंसी)।पाकिस्तान की एक आतंक रोधी अदालत ने मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और प्रतिबंधित जमात-उद-दावा (जेयूडी) प्रमुख हाफिज सईद के दो करीबी सहयोगियों को आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में 15-15 साल से ज्यादा जेल की सजा सुनाई है। सईद के संगठन के प्रवक्ता याह्या मुजाहिद को भी सजा सुनाई गई है। लाहौर में आतंकरोधी अदालत ने मंगलवार को न्यायाधीश अरशद हुसैन भुट्टा ने सीटीडी द्वारा दर्ज मामले में याह्या मुजाहिद और जफर इकबाल में से प्रत्येक को 15 साल छह महीने की सजा सुनाई है।

सीबीएसई के 18 जनवरी से खुलेंगे स्कूल

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षाओं और अन्य प्रैक्टिकल के मद्देनजर 10वीं और 12 वीं क्लास के लिए 18 जनवरी से प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट, काउंसिलिंग आदि के लिए स्कूल खोलने की अनुमति देने का बुधवार को एलान किया। शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने जानकारी दी कि दिल्ली में सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं और प्रैक्टिकल के मद्देनज़र 10वीं और 12 वीं क्लास के लिए 18 जनवरी से प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट, काउंसिलिंग आदि के लिए स्कूल खोलने की अनुमति दी जा रही है।

कर्नाटक: 17 महीने में तीसरी बार येदियुरप्पा सरकार का कैबिनेट विस्तार, फिर भी असंतोष कायम

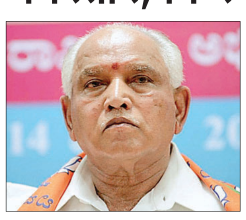

सात नए मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की

बेंगलुरु ■ एजेंसी

कर्नाटक में 17 महीने पुराने मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत बुधवार को सात नए मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण करने वाले सात मंत्रियों में उमेश कट्टी, अरविंद लिम्बावली, एमटीबी नागराज, मुरुगेश निरानी, आर शंकर, सीपी योगेश्वर और एस अंगारा शामिल हैं। पार्टी आलाकमान की ओर से निर्देश दिए गए थे कि इस बार वरिष्ठों और वफादारों को ज्यादा तवज्जो दी जानी चाहिए। ऐसे में सात में से सिर्फ दो ही दागी मंत्री हैं।

कैबिनेट में जहां दो दागी नेताओं को कैबिनेट में जगह दी गई तो वहीं आठ बार के विधायक रह चुके उमेश कट्टी और छह बार विधायक बन चुके एस अंगारा को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया है। ऐसा पार्टी के भीतर विद्रोह को खत्म करने के लिए किया जा रहा है, क्योंकि मूल भाजपा वफादारों की शिकायत थी कि उन्हें दरकिनार कर केवल नए लोगों को कैबिनेट में शामिल किया जा रहा है। अन्य लोगों में लिंगायत मजबूत नेता मुरुगेश निरानी, मैसूर क्षेत्र के वोक्कालिगा के मजबूत नेता सीपी योगेश्वर और अरविंद लिंबावली हैं

पाकिस्तान की नापाक हरकतों को बीएसएफ ने फिर किया नाकाम

एलओसी पर सुरंग का पता लगाया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के नीचे एक सुरंग का पता लगाया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि बुधवार सुबह एक अभियान के दौरान बीएसएफ के जवानों ने बोबियान गांव में सीमा पार से बनाई गई एक सुरंग का पता लगाया, जिसका निर्माण आतंकवादियों को घुसाने के लिए किया गया है। बीएसएफ के आईजी ने कहा कि कठुआ के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ पाई गई सुरंग लगभग 150 मीटर लंबी है। इस सुरंग के निर्माण में उचित तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने के लिए पाकिस्तान की सोची-समझी साजिश है। ऐसा लगता है कि हाल में इसका उपयोग नहीं किया गया है।

सुरंग और ड्रोन के जरिए आतंकियों को भेज रहा है पाकिस्तान, बीएसएफ चौकन्ना बीते साल नवंबर महीने में बीएसएफ ने एक ऐसी सुरंग का पता लगाया था, जिससे होकर आतंकी भारत आए थे। बीते पांच महीने में ब्रस्न ने तीसरी बड़ी सुरंग पता लगाया है। एक आधिकारी ने बताया था कि यह पाकिस्तान की बदली हुई रणनीति का हिस्सा है। पहले जहां सीधे आतंकियों को सीमा पार कराने की कोशिश होती थी वहीं अब इन सुरंगों का सहारा लिया जा रहा है। बीएसएफ के अधिकारी के अनुसार पिछले सप्ताह नगरोटा में मारे गए चारो आतंकी भी सुरंग से होकर ही भारत आए थे। इससे पहले बीएसएफ ने जिस सुरंग का पता लगाया वह 3 फीट गहरी और 200 मीटर लम्बी थी। पाकिस्तान की तरफ ऊंची-ऊंची घास होने के कारण इन सुरंगों का पता नहीं चल पाता। और इसी का फायदा उठाकर ड्रग स्मगलर से लेकर आतंकी तक भारत में भेजे जा रहे हैं। हालांकि समझौते में इस तरह के घासों को काटने की बात कही गई है।

वायु सेना ने कारगिल में फंसे 75 यात्रियों को निकाला

श्रीनगर ■ एजेंसी

भारतीय वायु सेना ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के सीमावर्ती शहर कारगिल में फंसे 75 यात्रियों को विमान के जरिये बुधवार को सुरक्षित निकाल लिया। वायु सेना के एएन-32 कारगिल कुरियर सेवा के मुख्य संयोजक आमीर अली ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुरियर सेवा ने विमान के जरिये 21 यात्रियों को कारगिल से श्रीनगर पहुंचाया जबकि दो बच्चों समेत 27 यात्रियों को श्रीनगर से कारगिल पहुंचाया गया।

इसके अलावा 27 अन्य यात्रियों को कारगिल से जम्मू पहुंचाया गया। संपर्क अधिकारी कारगिल अनवर हुसैन, संपर्क अधिकारी श्रीनगर मोहम्मद रजा और संपर्क अधिकारी जम्मू मोहम्मद यूसुफ और उनकी सहायक अधिकारियों की टीम ने यात्रियों को सुविधा प्रदान की। उन्होंने कहा कि मौसम साफ रहने पर कारगिल-श्रीनगर के बीच 14 जनवरी को भी कारगिल कुरियर की व्यवस्था रहेगी। एक जनवरी को हिमपात होने के कारण श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के बंद होने के बाद कारगिल जिले का कश्मीर घाटी से संपर्क टूटा हुआ है। हालांकि कारगिल से लेह के बीच यातायात जारी है।

बदलाव

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर देश में 100 पर्यटक स्थल बनाए जाएंगे स्मार्ट

नई राष्ट्रीय पर्यटन नीति लाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर देश में पर्यटन क्षेत्र को गति देने के लिए वैश्विक सुविधाओं के साथ 20 अति विशिष्ट पर्यटक स्थलों (आइकॉनिक साइट) का मॉडल के तौर पर विकास किया जाएगा। इसके अलावा देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 100 स्मार्ट पर्यटक स्थल भी विकसित किए जाएंगे।

यह प्रस्ताव नई राष्ट्रीय पर्यटन नीति के मसौदे में किया गया है। पर्यटन मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार इस मसौदा नीति में राज्यों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये नई राष्ट्रीय पर्यटन नीति के मसौदे को

जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। अति विशिष्ट पर्यटक स्थल (आइकॉनिक साइट) की योजना में स्मारकों व स्थलों का विकास विश्व स्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में करने की बात कही गई है ताकि उन्हें मॉडल के रूप में पेश किया जा सके।

जल्द ही कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा मसौदाः स्मार्ट पर्यटक स्थलों पर ऐसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी जिससे अधिक से अधिक विदेशी और घरेलू पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। पर्यटन मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि नई नीति के मसौदे को राज्यों और अन्य पक्षकारों के साथ साझा किया गया था। इस पर राज्यों की ओर से कई सुझाव मिले थे।

राजमार्गों पर हर 75 किमी पर विकसित होंगी सुविधाएंः केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने हाल ही में अति विशिष्ट पर्यटक स्थलों से जुड़ी आइकॉनिक साइट योजना की समीक्षा की। इसमें तय हुआ कि शीघ्र ही राज्य सरकार, निजी क्षेत्र और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ मिलकर कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा ताकि आजादी के 75वें वर्ष में लक्ष्य प्राप्त किए जा सके।

विकसित किया जा रहा है प्लेटफॉर्म, मिलेगा हर अपडेटः मंत्रालय एक ऐसा प्लेटफॉर्म विकसित कर रहा है जिसमें राज्यों की सड़कों, होटलों और सभी पर्यटन स्थलों की अन्य सुविधाओं के बारे में सभी जानकारियां होंगी। मौसम और पर्यटन संबंधी अन्य ताजा अपडेट्स भी मिलते रहेंगे। राज्यों से भी इस बारे में जानकारी देने को कहा गया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रमाणन कार्यक्रम (आईआईटीएफ) नामक गाइडों को प्रशिक्षित करने के लिए एक ऑनलाइन कार्यक्रम भी शुरू किया है।

रूपेश सिंह हत्याकांड की एसआईटी करेगी जांच, हत्यारों की जल्दी हो गिरफ्तारी

पटना ■ एजेंसी

डीजीपी को सीएम नीतीश के निर्देश

बिहार की राजधानी पटना में मंगलवार को बेखौफ बदमाशों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। इंडिगो के स्टेशन हेड रूपेश सिंह को बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां दागकर पटना के पुनाइचक में कुसुम विला अपार्टमेंट के पास मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद नीतीश सरकार न सिर्फ अपनी सहयोगी भाजपा बल्कि विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है।

जबकि इस मामले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने डीजीपी एस के सिंघल से जानकारी लेने के साथ हत्यारों को अविलम्ब गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। यही नहीं, इस मामले में राज्य सरकार ने एसआईटी भी गठित कर दी है।इसके साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। वहीं उन्होंने रूपेश सिंह हत्याकांड में स्पीड ट्रायल चलाकर दोषियों को जल्द सजा दिलाने का निर्देश दिया है।तेजस्वी यादव ने सुनाई खरी-खरी-इस हत्याकांड की वजह से नीतीश सरकार न सिर्फ अपनी सहयोगी भाजपा बल्कि विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है।

इस बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध की खबरें सामने न आएं अगर इतनी ही एडिटिंग और मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री क्राइम रोकने में लगाते तो ये नौबत न आती। सीएम नीतीश कुमार से अब बिहार संभलने वाला नहीं। अगर गृह विभाग नहीं संभल रहा तो किसी और को दे दें। उनको जबरदस्ती मुख्यमंत्री बनाया गया है नहीं तो मुख्यमंत्री भी नहीं बनते।

पाकिस्तानी मूल के 9 आतंकवादी मारे गए

तालिबान। अफगानिस्तान में दिल दहलाने वाले कई आतंकी हमले को अंजाम दिया गया है। आपको बता दें कि एक ऐसे ही हमले की खबर सामने आ रही है। इस हमले में पाकिस्तानी मूल के 9 आतंकवादी मारे गए हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री ने इस बात का

दवा किया है कि यह हमला रात निमरोज प्रांत में आतंकवादियों को निशाना बनाकर किये गए एयरस्ट्राइक में ये आतंकी मारे गए हैं। इसमें 9 लोग पाकिस्तान और 5 तालिबान से जुड़े हुए हैं लेकिन स्थानीय लोगों का दावा है कि इस आतंकी हमले में 18 लोग मारे गए हैं।

18 लोगों के मारे जाने की खबर

गजनीय में प्रांतीय परिषद के प्रमुख बाज मोहम्मद नासिर ने कहा कि इस हमले में मारे गए लोग एक ही परिवार के हैं। उन्होंने कहा यह हमला खशारोड जिले के मुनाजारी गांव को निशाना बनाकर किया गया था। आपको बता दें कि मारे गए लोगों में आठ बच्चे, सात महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। बताया जा रहा है पीड़ितों के रिश्तेदार न्याय की मांग कर रहे 18 शवों को लेकर निमरोज की राजधानी जारंज पहुंचे हैं।

एयरफोर्स ने शुरू की जांच

अफगानिस्तान एयरफोर्स की एएनए 215 वीं वाहिनी ने कहा है कि शनिवार रात को खशारोड जिले में तालिबान के ठिकानों पर किए गए हवाई हमले में कई आतंवादी मारे गए हैं। स्थानीय लोगों के आरोप पर एयरफोर्स ने कहा है कि उनकी टीम आम लोगों के हताहत होने पर इस मामले की जांच करने को कहा है।

अफगानिस्तान में सक्रीय पाकिस्तानी

जुलाई में जारी की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक कहा गया कि पाकिस्तान के करीब 6000 से 6500 आतंकवादी पडोसी अफगानिस्तान में सक्रीय है। ज्यादातर लोगों का संबंध तहरीक ए - तालिबान पाकिस्तान से है और यह होने से दोनों देश को खतरा बना रहेगा। वहीं अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने भी अफगानिस्तान पर जारी अपनी रिपोर्ट में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सीमा क्षेत्र को आतंकी संगठनों के लिए सुरक्षित ठिकाना बताया था।

महा तबाही का अलर्टः जानलेवा वायरस से दुनिया को खतरा, वैज्ञानिक सतर्क

न्यूयॉर्क। बीते साल से अभी तक जारी कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया पर तबाही मचाई हुई है। महाभयानक इस वायरस ने लाखों लोगों की जानें लीं, साथ ही पूरी अर्थव्यवस्था को भी उलट-पुलट

के रख दिया। लेकिन महीनों बाद अब वैक्सीन के आ जाने के बाद वायरस के छुटकारा मिलने की उम्मीदें जागी हैं। ऐसे में कोविड-19 के भीषण खतरे को देखते हुए एपिडेडियोलॉजिस्ट और मेडिकल विशेषज्ञ अब दूसरे कई बीमारियों और इंफेक्शन से बहुत ज्यादा सावधान रहने की सलाह दे रहे हैं। यदि हमने सतर्कता नहीं दिखाई, तो आने वाले समय में ये भी किसी भयानक महामारी के रूप में दुनिया पर तांडव कर सकते हैं। तो चलिए आपको ऐसी ही 10 बायोलॉजिकल और घातक बीमारियों के बारे में बताते हैं जो कोरोना से भी ज्यादा महाभयानक हो सकती है।

चमगादड़ों से फैला निपाह वायरस को खतरे के वायरस से जोड़कर देखा जाता है जो साल 2018 में केरल में बड़े पैमाने पर फैला था। तभी इस बीमारी को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया गया था। चमगादड़ से इंसानों में फैली इस बीमारी से नवर्स इन्फ्लेमेशन, सूजन, तेज सिरदर्द, उल्टी, चक्कर और घबराहट जैसे लक्षण देखे जाते हैं। दुनियाभर में अफ्रीका से फैलने वाले इबोला वायरस का ट्रांसमिशन बहुत तेज नहीं है, लेकिन यह बुखार बहुत ज्यादा घातक है। ये बीमारी जानवरों से इंसान में फैलती है। इस पर WHO का दावा है कि इबोला इंसान से इंसान में भी ट्रांसमित होता है। सामने आए आंकड़ों के अनुसार, इबोला के 3400 मामलों में से 2270 लोगों की मौत हुई है। जनवरी 2020 में इबोला का एक वैक्सीन भी आई थी, लेकिन उसे बड़े पैमाने पर रोलआउट नहीं किया गया। इसके बाद आता है सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम भी उसी वायरस की फैमिली से आता है जो कोविड-19 के लिए जिम्मेदार है। इस बीमारी का पहला मामला साल 2002 में चीन में दर्ज किया गया था।

अलर्ट पर अमेरिकाः 20 जनवरी को बाइडेन के शपथ ग्रहण के दौरान हिंसा का खतरा

सभी 50 राज्य सरकारें सतर्क

वाशिंगटन। प्रेसिडेंट इलेक्ट जो बाइडेन 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह (इनॉगरेशन डे) पर हिंसा का खतरा मंडरा रहा है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के मुताबिक, ट्रम्प समर्थक वॉशिंगटन डीसी और सभी 50 राज्यों में हिंसा फैला सकते हैं। लिहाजा, राष्ट्रीय राजधानी यानी वॉशिंगटन डीसी और राज्यों की राजधानियों को अलर्ट पर रहने को कहा गया है। मिलिट्री के नेशनल गार्ड्स और स्पेशल सिक्योरिटी एजेंसी के दस्ते तैनात कर दिए गए हैं।

गार्ड्स तैनातः अमेरिकी राजधानी में ही मिलिट्री की स्पेशल यूनिट नेशनल गार्ड्स

वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड्स को तैनात कर दिया गया था। इस दिन डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थकों ने संसद के अंदर और बाहर हिंसा की थी। एक पुलिस अफसर और एक महिला समेत कुल पांच लोगों की मौत हो गई थी। इसलिए, सुरक्षा एजेंसियां 20 जनवरी को होने वाले शपथ ग्रहण से पहले कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। आमतौर पर इनॉगरेशन डे पर लाखों लोग जुटते हैं। लेकिन, इस बार कोविड-19 के चलते यह संख्या बेहद कम रहेगी।

फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का अलर्टः जॉर्जिया में दंगाइयों से निपटने में सक्षम विशेष दस्ते को तैनात किया गया है। इनके पास स्पेशल टेक्टिकल रायफल्स हैं। न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ दिन पहले फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन को हिंसा के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद उसने फेडरल कैपिटल यानी वॉशिंगटन डीसी के अलावा राज्य सरकारों को सतर्क रहने का सर्कुलर जारी किया। जांच एजेंसिया वॉशिंगटन डीसी के कुछ हिस्सों को 17 से 20 जनवरी तक सील करने की भी तैयारी कर रही हैं। इन हिस्सों में हिंसा की आशंका ज्यादा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प को कार्यकाल के आखिरी दौर में महाभियोग से हटाने के प्रस्ताव से उनके समर्थक ज्यादा गुस्से में हैं। 8 जनवरी को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन को जानकारी मिली कि ट्रम्प समर्थकों का एक ग्रुप हिंसा फैला सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रेसिडेंट इलेक्ट बाइडेन की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। वाइस प्रेसिडेंट इलेक्ट कमला हैरिस और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पीकर नैंसी पेलोसी को भी खतरे की जद में बताया गया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन कुछ संदिग्ध लोगों पर नजर रख रही है। 20 जनवरी से पहले इनमें से कुछ को गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

विदाई के पहले फजीहतः अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने 8 दिन पहले ट्रम्प का कार्यकाल खत्म होने का ऐलान किया

वाशिंगटन। अमेरिका में प्रेसिडेंट इलेक्ट जो बाइडेन 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे। यानी डोनाल्ड ट्रम्प अभी 8 दिन और राष्ट्रपति रहेंगे। लेकिन, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोमवार रात अपनी वेबसाइट पर ट्रम्प का कार्यकाल खत्म बता दिया। कुछ ही देर बाद यह पोस्ट हटा दी गई। खास बात यह है कि विदेश मंत्रालय ने अब तक इस पर कोई सफाई भी नहीं दी है। ट्रम्प की कैम्पेन टीम या व्हाइट हाउस भी इस मामले पर अब तक चुप हैं।

टाइम भी बता दिया

अमेरिकी वेबसाइट daily-beast के मुताबिक, स्टेट डिपार्टमेंट ने सोमवार रात 7.49 बजे अपनी वेबसाइट पर एक मैसेज पोस्ट किया। इसमें साफ तौर पर लिखा गया- डोनाल्ड ट्रम्प का कार्यकाल समाप्त हो गया है। देखते ही देखते यह पोस्ट वायरल हो गया। कुछ ही मिनट में इसे हटा

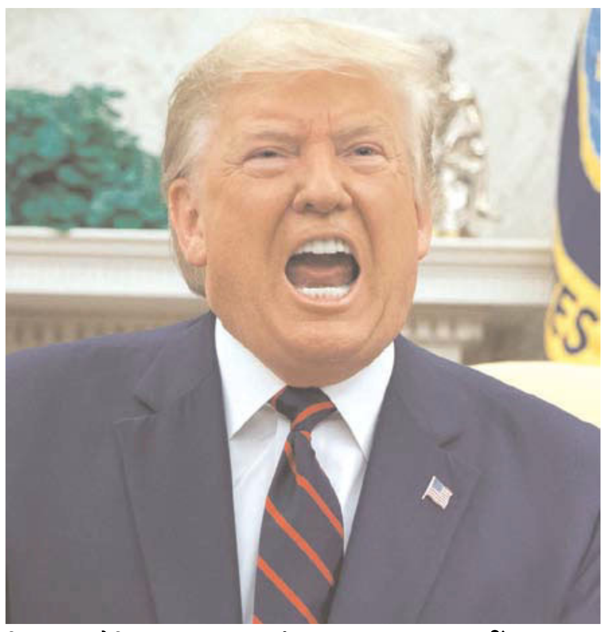

लिया गया लेकिन, तब तक यूजर्स इसे देख चुके थे। कुछ लोगों ने वेबसाइट के इस पेज का स्क्रीनशॉट भी ले लिया।

वजह साफ नहीं

स्टेट डिपार्टमेंट, व्हाइट हाउस या ट्रम्प के प्रेस सेक्रेटरी। किसी ने इस मामले पर कुछ नहीं कहा। लिहाजा, यह भी साफ नहीं हो पाया कि यह मैसेज आखिर कैसे वेबसाइट पर फ्लैश हुई या इसके लिए कौन जिम्मेदार है। यह भी पता नहीं है कि यह टेक्निकल फॉल्ट था या वेबसाइट को हैक कर लिया गया था।

ट्रम्प समर्थकों को एक और झटका

ट्विटर ने ट्रम्प समर्थकों के करीब 70 हजार अकाउंट्स सस्पेंड कर दिए हैं। यह फैसला बुधवार को हुई हिंसा के बाद किया गया है। खुद राष्ट्रपति का पर्सनल अकाउंट भी सस्पेंड किया जा चुका है। सोमवार रात जारी एक बयान में ट्विटर ने कहा- वॉशिंगटन डीसी में हुई हिंसा के बाद खतरा बढ़ गया है। लिहाजा, हम हजारों अकाउंट्स के स्थायी तौर पर बंद कर रहे हैं। इन अकाउंट्स पर ऐसा कंटेंट मौजूद है जो हिंसा और गलत चीजों को बढ़ावा दे रहा है।

कार लेकर शहर में घूमता रहा सिरफिरा, अलग-अलग स्थानों पर 7 लोगों को मारी गोली

शिकागो। अमेरिका का शिकागो शहर गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। यहां एक सिरफिरे ने आज सात लोगों को गोली मार दी।

जिसमें से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। बाकी 4 लोग इस वक्त अस्पताल में जिन्दगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं।

हैरान कर देने वाली बात ये कि उसने एक ही दिन में अलग-अलग स्थानों पर जाकर इस वारदात को अंजाम दिया है। वह फायरिंग करते हुए एक जगह से दूसरे जगह जा पहुंचा। रास्ते में एक युवक से बंदूक की नोक पर उसकी कार छीन ली। फिर कार लेकर चल पड़ा। सड़क से लेकर रेस्तरां और दुकान, जहां कही भी उसकी नजर पड़ी। उसने गोलियां चला दी। पूरी सड़क खून से लाल हो उठी। बाद में पुलिस ने एनकाउंटर में उसे ढेर कर दिया। इस घटना से वहां के लोग अभी भी डरे हुए हैं।

क्या है ये पूरा मामला

शिकागो में लोगों की हत्या करने वाले युवक की पहचान 32 वर्षीय जैसन नाइटेंगल के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि जैसन ने सबसे पहले शिकागो विश्वविद्यालय के 30 वर्षीय एक छात्र को सिर में गोली मारी फिर एक अपार्टमेंट में जाकर वहां तैनात 46 वर्षीय गार्ड को गोली मार दी। यह शख्स यहीं नहीं रुका इसके बाद इसने एक महिला को भी गोली मार दी। 77 वर्षीय इस महिला की हालत गंभीर है।

महिला को गोली मारने के बाद नाइटेंगल ने बंदूक के दम पर एक शख्स से उसकी कार छीन ली और एक दुकान में घुस गया। यहां उसने ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं जिससे एक 20 साल के व्यक्ति की मौत हो गई और 81 वर्षीय एक महिला घायल हो गई। इसके बाद नाइटेंगल ने दुकान के बाहर कार में बैठी एक 15 साल की लड़की पर भी गोली चला दी। यह लड़की अपनी मां के साथ जा रही थी।

सऊदी अरब बनायेगा अनोखा शहर

रियाद। सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान एक नया शहर बनाने का ऐलान किया है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस शहर में कोई भी कार या सड़क नहीं होगी। सऊदी अरब के नए शहर में शून्य कार्बन उत्सर्जन नहीं होगा। इस नए शहर को नियोम प्रोजेक्ट के तहत बनाया जाएगा। यह शहर करीब 170 किलोमीटर की लंबाई में बसाया जाएगा। इस डेवलपमेंट को द लाइन का नाम दिया। नियोम शहर बनाकर तेल समृद्ध देश सऊदी अरब अपने लिए बिना तेल का भविष्य भी तलाशने की कोशिश कर रहा है। सऊदी अरब इस शहर का निर्माण इस साल की पहली तिमाही में शुरू करेगा। क्राउन प्रिंस ने इस प्रोजेक्ट की जानकारी टे?लीविजन के माध्यम से दी। बता दें कि इस शहर को लाल सागर के तट पर बनाया जाएगा।

10 लाख लोगों को बसाने की योजना

सऊदी अरब के इस नए शहर नियोम में 10 लाख लोगों को बसाया जाएगा। इस अनोखे शहर में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और हरियाली जैसी खास सुविधाएं होंगी। यहां 3,80,000 लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। क्राउन प्रिंस ने बताया कि

इस इंफ्रास्ट्रक्चर पर 100-200 बिलियन डॉलर खर्च होगा।

नियोम में अरबों रुपए किया जाएगा निवेश

सऊदी प्रिंस ने कहा कि नियोम शहर में एक उच्च गति वाला सार्वजनिक परिवहन सिस्टम लगाया जाएगा। इस शहर को विकसित करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इस शहर में 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा होगी और यहां निवासियों के लिए प्रदूषण मुक्त, स्वास्थय और अधिक स्थायी वातावरण प्रदान किया जाएगा।

बता दें कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने 2017 में नियोम प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। सऊदी अब तक दुनिया का सबसे बड़ा तेल निर्यातक देश है। इसके साथ सऊदी उन देशों में भी शामिल है जो सबसे अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। नियोम 26,500 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में बसाया जाएगा। इसकी सीमाएं जॉर्डन और मिस्र से सटी रहेंगी। अनुमान जताया गया है कि सऊदी अरब की जीडीपी में वर्ष 2030 तक इस शहर का योगदान करीब 48 अरब डॉलर होगी।

पाकिस्तानी यूनिवर्सिटी का फरमान, टाइट जीन्स और मेकअप-ज्वैलरी को किया बैन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक यूनिवर्सिटी ने अपने स्टूडेंट्स के लिए एक नया फरमान जारी कर दिया है। पाकिस्तान के मानशेरा में स्थित हजारा यूनिवर्सिटी ने फरमान जारी करते हुए कहा है कि पढ़ने आ रही लड़कियां टाइट जीन्?स और टी शर्ट न पहनें। इतना ही नहीं लड़कियों के मेकअप करने, जूलरी पहनने और बड़े-बड़े हैंड बैग लाने पर भी बैन लगा दिया गया है।

स्टूडेंट्स को मंजूर नहीं यूनिवर्सिटी का फरमान

पाकिस्तान की हाजरा यूनिवर्सिटी ने 6 जनवरी को यह फरमान जारी किया है। बता दें कि यूनिवर्सिटी की तरफ से सिर्फ छात्राओं के लिए ही नहीं बल्कि छात्र और फैकल्टी स्टाफ के लिए यह नया ड्रेस कोड जारी किया गया है। यूनिवर्सिटी के इस कड़े प्रतिबंध का स्टूडेंट्स ने विरोध किया है।

लड़कों के लंबे बाल पर प्रतिबंधः यूनिवर्सिटी की तरफ से जारी नए ड्रेस कोड में कहा गया है कि कॉलेज आ रही लड़कियां टाइट जीन्स और टी शर्ट न पहनें। साथ ही लड़कियों के मेकअप करने, ज्वैलरी पहनने और बड़े-बड़े हैंड बैग लाने पर भी बैन लगा दिया

गया है। वहीं लड़कों के लिए भी कई कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिसमे लड़कों को लंबे बाल रखने, पोनी टेल और स्लीपर पर भी बैन लगा दिया गया गया है। अब यूनिवर्सिटी के इस आदेश का स्टूडेंट्स जमकर विरोध कर रहे हैं।

ये है नया ड्रेस कोड

नए ड्रेस कोड में लड़कियों को सलवार-कमीज, अबाया और हैंडस्कार्फ पहनने को कहा गया है। साथ ही सभी स्टूडेंट्स से कहा गया है कि वे बिना आई कार्ड के यूनिवर्सिटी नहीं आएं। यूनिवर्सिटी ने अपने कर्मचारियों को भी कहा है कि वे साफ कपड़े पहनकर आएं। टीचर्स से कहा गया है कि वे लेक्चर के दौराना काला कोट पहनकर ही जाएं।

महाभियोग के फंदे में फंसे ट्रंप, राष्ट्रपति के खिलाफ डेमोक्रेट एकजुट, आज होगा फैसला

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में महाभियोग के फंदे में फंस गए हैं। अमेरिकी संसद भवन में पिछले बुधवार को हुई हिंसा के लिए प्रतिनिधि सभा के डेमोक्रेट सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रंप को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पेश किया है।

प्रस्ताव में आरोप लगाया गया है कि ट्रंप ने अमेरिकी संसद में हिंसा के लिए अपने समर्थकों को भड़काया। प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट सांसदों का प्रभुत्व है और ट्रंप के खिलाफ पेश किए गए महाभियोग प्रस्ताव पर बुधवार को मतदान की संभावना जताई जा रही है।

ट्रंप के खिलाफ दो प्रस्ताव पेश

अमेरिकी संसद में गत बुधवार को हुई तोड़फोड़ और हिंसा की घटना में अभी तक एक पुलिसकर्मी सहित पांच लोगों की मौत हो चुकी है। लोकतांत्रिक परंपराओं के पालन में अभी तक अमेरिका की मिसाल दी जाती रही है मगर अमेरिकी संसद में हुई इस घटना से देश की छवि को काफी धक्का लगा है।हिंसा की

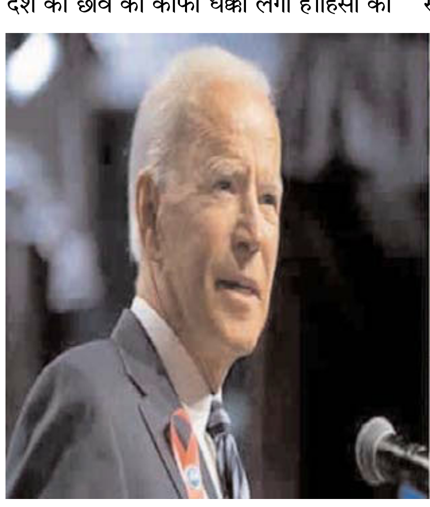

घटना को लेकर ट्रंप के खिलाफ दो महाभियोग प्रस्ताव पेश किए गए हैं। इनमें से एक प्रस्ताव डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य इलहान उमर ने तैयार किया है जबकि दूसरा प्रस्ताव डेमोक्रेट सांसद जेमी रस्किन ने तैयार किया है।

प्रस्ताव के पक्ष और विपक्ष में लामबंदी

प्रस्ताव पेश होने के बाद प्रतिनिधि सभा में बहुमत के नेता स्टेनी होयर ने कहा कि अगर यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो ट्रंप पहले ऐसे रिपब्लिकन राष्ट्रपति होंगे जिन्हे दो बार महाभियोग प्रस्ताव का सामना करना पड़ा।

दूसरी ओर महाभियोग प्रस्ताव लाने के फैसले का विरोध करते हुए रिपब्लिकन सांसद एलेक्स मूने ने कहा की सदन को महाभियोग का यह प्रस्ताव नामंजूर कर देना चाहिए। ट्रंप के खिलाफ डेमोक्रेट्स व कुछ रिपब्लिकन सांसद एकजुट हो गए हैं और उनका मानना है कि ट्रंप को अपना कार्यकाल नहीं पूरा करना देना चाहिए। पेलोसी के पत्र के बाद डेमोक्रेट एकजुट सीनेट की स्पीकर नैंसी पेलोसी सहित उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी के कई दूसरे नेता राष्ट्रपति ट्रंप को व्हाइट हाउस से बाहर करने की मुहिम में जुटे हुए हैं। पेलोसी ने ट्रंप को पद से हटाने के लिए 25वें संशोधन के लिए पत्र लिखा था जिसके बाद डेमोक्रेट सांसद एकजुट हो गए हैं। यह संशोधन उपराष्ट्रपति व बहुमत को अधिकार देता है कि वे ट्रंप को हटाएं। प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष पेलोसी ने आरोपों का मसौदा संसद में रखने से पहले कहा कि हमारे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाना जरूरी हो गया है क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के पद पर बने रहने से देश के संविधान को खतरा है।

प्रस्ताव पर वोटिंग की स्थिति

प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत हासिल है और माना जा रहा है कि वहां से महाभियोग का प्रस्ताव आसानी से पास हो जाएगा। जानकारों का कहना है कि कई रिपब्लिकन सांसद भी ट्रंप के खिलाफ वोटिंग कर सकते हैं। वैसे अमेरिकी संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति को उनके पद से हटाने के लिए सीनेट में भी वोटिंग कराना जरूरी है। राष्ट्रपति को दोषी ठहराने और पद से हटाने के लिए दो तिहाई सीनेटरों की सहमति जरूरी है। सीनेट में इस समय रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत हासिल है और ऐसे में हर किसी की नजर सीनेट में प्रस्ताव को लेकर होने वाले फैसले पर टिकी है।

रिपब्लिकन पार्टी के नेता भी नाराज

वैसे राष्ट्रपति ट्रंप से रिपब्लिकन पार्टी के कई नेता भी नाराज हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने राष्ट्रपति ट्रंप से नाता तोड़ लिया है। हालांकि इसके बावजूद उन्होंने कहा है कि वे ट्रंप को पद से हटाने के प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी को कम से कम 16 रिपब्लिकन सीनेटर का समर्थन चाहिए और इतने ज्यादा सीनेटरों का समर्थन मिलना मुश्किल माना जा रहा है।

शपथ ग्रहण समारोह में कड़ी सुरक्षा की मांगः दूसरी ओर वाशिंगटन की मेयर मुरियल बाउजर ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बिडेन के शपथ ग्रहण समारोह में कड़ी सुरक्षा का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने गृह सुरक्षा मंत्रालय से इस संबंध में न्याय व रक्षा मंत्रालय के अलावा सुप्रीम कोर्ट और कांग्रेस से भी संपर्क करने को कहा है। उन्होंने पिछले हफ्ते अमेरिकी संसद में हुई हिंसा को आतंकी हमला बताते हुए कहा कि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए शपथ ग्रहण समारोह में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है।

एनडीएसमी ने पेश किया बजट 2021-22

4126 करोड़ से होगा एनडीएमसी का विकास

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने वित्त वर्ष 2021-22 में बेहतर प्रशासन और नागरिक सुविधाओं को और मजबूत करने के लिए 4126.53 करोड़ रुपये व्यय का बजट पेश किया। बजट में स्मार्ट एनडीएसमी क्षेत्र पर पूरा जोर दिया गया है। एनडीएमसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र ने पालिका परिषद के बजट 2021-22 पेश करते हुए कहा कि वर्ष 2020 में अनेक राहत दिए जाने के बावजूद भी वित्त वर्ष 2021-22 में किसी भी नये कर का प्रस्ताव नहीं किया गया है। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर परियोजना के अगले चरण में संपत्ति कर, संपदा प्रबंधन, कार्यशाला-प्रबंधन तथा संपत्ति-प्रबंधन पर चार महत्वपूर्ण ईआरपी माड्यूल समिल्लित है। पहले दो नागरिको को व्यापार करने में महत्वपूर्ण ढंग से सहजता लायेंगे, वहीं अन्य दो पालिका परिषद् में दक्षता तथा जवाबदेही को उन्नत बनायेंगे। इसके साथ ही बजट में स्मार्ट सड़कें, पालिका परिषद् के

मानक क्योस्क, महिलाओं के लिए विशेष स्मार्ट शौचालय, तीसरे जेंडर के लिए शौचालय का निर्माण, मॉड्यूलर बरसाती जल संचयन, हैप्पीनेस एरिया का विकास, स्मार्ट फव्वारे, पब्लिक आर्ट, शहर को साइकिल फ्रेंडली सिटी बनाना, पब्लिक ई-चार्जिंग स्टेशन, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस), इलेक्ट्रिक रोड स्वीपिंग मशीन, पेयजल के लिए फाउंटेन और सीवरेज प्रणाली को शामिल किया गया है।

एनडीएमसी का इस वर्ष का बजट निर्बाध, तकनीक-सक्षम, स्मार्ट, विश्वसनीय, मजबूत, स्वस्थ, स्वच्छ, दूरदर्शी और नागरिकों की देखभाल करने वाली नागरिक सेवाओं पर केंद्रित है। यह बजट पालिका परिषद को एक लचीली, समावेशी, उत्तरदायी, सतत और भविष्य-उन्मुखी नगर निकाय के रूप में राष्ट्रीय गौरव और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने वाला भी है।

एनडीएमसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2020-21 वैश्विक स्तर पर कोविड-19 की महामारी के अभूतपूर्व संकट से राष्ट्रीय स्तर पर लॉकडाउन के साथ चालू हुआ था और फिर आगामी महीनों में चरणबद्ध तरीके से अनलॉकिंग प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ा लेकिन आज यह विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि इस बीच नई दिल्ली नगरपालिका परिषद राष्ट्रीय स्तर पर नगर निकायों के बीच अपनी अग्रणी स्थिति के साथ प्रमुख सेवाओं को निर्बाध तरीके से सुनिश्चित करने में सफल रही है।

धर्मेंद्र ने कहा कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने कोविड महामारी के दौरान नागरिक सेवाओं विशेषतः स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा इत्यादि की सेवाओं को निर्बाध रूप से नागरिकों को प्रदान करने के लिए अनेकों उपाय किये है।

लकी ड्रॉ के नाम पर फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले ठग गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। बुध विहार पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर लकी ड्रॉ के नाम पर 500 लोगों से ठगी का मामला उजागर किया है। गिरोह ने फर्जी कॉल सेंटर के जरिए एक माह में अब तक 20 लाख रुपये की रकम ठगी है। पुलिस ने मंगलवार को अवैध कॉल सेंटर पर छापा मारकर दस मोबाइल फोन, कम्प्यूटर, इंटरनेट डिवाइस और रजिस्टर आदि बरामद किए हैं।

डीसीपी पीके मिश्रा ने बताया कि बुध विहार थाने में तैनात एसआई पंचम को सूचना मिली थी कि शर्मा कॉलोनी में एक माह से अवैध कॉल सेंटर चल रहा है, जहां से लोगों के साथ ठगी की जा रही है। कार्रवाई के लिए एसएचओ खेमेंद्र पाल सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर सुधीर कुमार, एसआई पंचम और हेडकांस्टेबल त्रिभुवन झा की टीम बनाई गई। टीम ने मंगलवार को कॉल सेंटर पर जब छापा मारा तब वहां पांच युवतियां और तीन युवक फोन पर बातें कर रहे थे। पता चला कि वे ठगी के लिए लोगों को कॉल कर उन्हें लकी ड्रॉ में विजेता होने का झांसा दे रहे थे। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों की पहचान भूपेश, मोहित और प्रशांत के तौर पर हुई।

भाजपा में शामिल हुए आम आदमी पार्टी के आधा दर्जन से अधिक पदाधिकारी और सैंकड़ों कार्यकर्ता

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रदेश कार्यालय में आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी की उपस्थिति में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी और सैंकड़ों कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पार्टी का पटका पहनाकर आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों का भाजपा परिवार में स्वागत किया। आम आदमी पार्टी से निगम के पूर्व प्रत्याशी पवन राई, बदरपुर विधानसभा उपाध्यक्ष व आम आदमी पार्टी केंद्रीय कॉर्डिनेशन टीम की कॉर्डिनेटर ममता रेक्सवाल, वार्ड 95 के अध्यक्ष मनोज साहू, पोलिंग स्टेशन इंचार्ज अहमद राजा, मंडल अध्यक्ष अनवर खान, पोलिंग स्टेशन प्रभारी देव नारायण, कार्यकारी सदस्य महिला विंग पूनम यादव, कार्यकारी सदस्य वसीम खान आदि शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, सह-प्रमुख हरिहर रघुवंशी और जिला अध्यक्ष रोहताश बिधूड़ी उपस्थित थे।

प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि यह हमारे लिए हर्ष का विषय है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नीतियों और कार्यों से प्रभावित होकर लोग भाजपा परिवार से जुड़ रहे हैं और परिवार का विस्तार हो रहा है। भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनता की सेवा करने के लिए समर्पित है, यही उद्देश्य लोगों को पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के सिद्धांत एकात्म मानववाद और अंत्योदय पर चलकर भाजपा समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी में जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकताओं की उपेक्षा की जाती है और यही कारण है कि आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी से जुड़ रहे हैं, जहां सभी को समान अवसर और सम्मान मिलता है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि हम मिलकर पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूती प्रदान करने की दिशा में और मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से समाज के हर वर्ग को जोड़कर उन्हें लाभान्वित करने का कार्य करेंगे।

समाजवाद के प्रणेता महाराजा अग्रसेन के विचार आज भी प्रासंगिक हैं: आदेश गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने अग्रसेन धाम, कुंडली में अग्रसेन फाउंडर वाटिका का शिलान्यास कर महाराजा अग्रसेन व कुल देवी महालक्ष्मी का आशीर्वाद लिया। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठनमंत्री सुरेश जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा, अग्रसेन धाम के चेयरमैन जगदीश राय गोयल, सीनियर वाइस चेयरमैन राम प्रकाश गर्ग, वाइस चेयरमैन धर्मपाल अग्रवाल, प्रधान राजेंद्र अग्रवाल, कंट्रोल बोर्ड सदस्य एवं प्रवक्ता अतुल सिंघल भी मौजूद थे। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि महाराजा अग्रसेन से हमलोगों को देश और समाज की सेवा के संस्कार मिले हैं। देश और दुनिया में जब भी समस्याएं आती है तो मदद के लिए वैश्य समाज का हाथ सबसे आगे होता है। महाराजा अग्रसेन समाजवाद और अहिंसा के प्रणेता थे और उनके विचार आज भी प्रासंगिक है। अग्रसेन फाउंडर वाटिका का शिलान्यास करते हुए गौरव की अनुभूति हो रही है और इसके निर्माण में सहयोग देना हमारा सौभाग्य होगा।

घर से ही गीले-सूखे कूड़े को अलग करें नागरिक : महापौर

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली की महापौर अनामिका और निगमायुक्त ज्ञानेश भारती ने मध्य जोन के बदरपुर, मोलड़बंद और हरिनगर वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में जाकर स्थानीय लोगों की कठिनाइयों और समस्याओं के बारे में जानकारी ली और निरीक्षण पर उपस्थित अधिकारियों को उनकी समस्या का निवारण करने के निर्देश दिए। महापौर ने बदरपुर क्षेत्र के कई इलाकों में सफाई व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया और क्षेत्रीय नागरिकों से अनुरोध किया कि घर पर ही गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग करें। उन्होंने कहा कि बेहतर कूड़ा प्रबंधन से ही उत्तम स्वच्छता प्राप्त हो सकती है और इसके लिए नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था

दुरूस्त की जाए, पार्कों में हरियाली बढ़ाई जाए और सड़कों से तुरन्त अवैध मलबा और कूडा उठाया जाऐ।

इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधुड़ी, प्रमुख अभियंता पी.सी.मीणा, क्षेत्रीय उपायुक्त अवनीश कुमार और निगम के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थिति थे। उन्होंने कहा की अनाधिकृत कॉलोनियों में भी नियोजित तरीके से विकास किया जाना चाहिए ताकि निगम अपनी सुविधाए बेहतर तरीके से प्रदान कर सके। निगमायुक्त ज्ञानेश भारती ने कहा कि दक्षिणी दिल्ली नगर निगम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। वित्तीय चुनौतियों के बावजूद सभी विभाग व जोन बेहतर सेवाएं दे रहे हैं। निगम अपने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुदृढ करने का प्रयास को ओर तेज करेगा।

भारतीय शिक्षण मंडल ने मनाया स्वामी विवेकानंद की 158 वीं जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस

संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द की 158 जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ह्यमाँ माँगति वैचारिक योद्धाह्ल विषय पर विशेष व्याख्यान एवं युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर ने मुख्य वक्ता के रूप में युवाओं से संवाद किया।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मलेन में स्वामी विवेकानंद ने भारत की ओर से सनातन हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व किया तथा वेदांत दर्शन का प्रसार पुरे विश्व में किया। आपने समाज के सेवा कार्य के लिए रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।उन्होनें कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने युवाओं से आह्वान किया कि उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए।स्वामी विवेकानन्द ने कहा है कि तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सब कुछ खुद अंदर से सीखना है। आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नही है।

उन्होंने कहा कि आज हमें यदि भारत को विश्व गुरु बनाना है तो इसके लिये वैचारिक एवं बौद्धिक योद्धाओं की जरूरत है। भारतीय शिक्षण मंडल का प्रमुख उदेश्य हजारों विवेकानन्द तैयार करना है। हमनें संपूर्ण विश्व की शिक्षा को युगानुकूल गुरूकुल शिक्षा पद्धति में परिवर्तित करने का संकल्प लिया है।नासा, गूगल जैसी बड़ी विश्व स्तरीय संस्थाओं को भारतीय वैचारिक योद्धा ही चला रहे हैं। आज हमारी बौद्धिक क्षमताओं एवं बौद्धिक प्रतिभाओं का लाभ दुनिया के दुसरे देश उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश हमारे प्रतिभाशाली युवा अपने निजी स्वार्थ और लोभ के कारण विदेशों में जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। आज संपूर्ण विश्व भारतीय संस्कृति और संस्कारों को अपनाकर हमारा अनुसरण कर रहा है और वैश्विक नेतृत्व के रूप में उम्मीद भरी नजरों से भारत कि ओर देख रहा है।उन्होंने कहा कि संकट के काल में भारत ने संपूर्ण विश्व को नई राह दिखाई है। भारतीय संस्कृति और संस्कार विश्व में सर्वोच्च एवं सर्वश्रेष्ठ हैं।एक तरफ आज संयुक्त राष्ट्र में विश्व के 182 देश हमारा नेतृत्व स्वीकारने को आतुर हैं वहीं दुसरी तरफ चीन और पाकिस्तान के साथ देश की अलगावादी ताकतें हमारी सुरक्षा के लिये चुनौती हैं। हमें इन चुनौतियों से पार पाना है।उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्वामी विवेकानन्द के शिक्षा विचारों पर तैयार की गई है। उनके ओजस्वी विचार आज भी प्रासंगिक हैं और युवाओं के कानों में गुंज रहे हैं। उन्होंने कहा कि रिसर्च तोड़ने और अलगाववाद की बजाए एकात्म एवं मानव कल्याणार्थ होना चाहिए। हम अपने अंदर लाभ पाने के स्थान पर राष्ट्र एवं समाज को देने की क्षमता विकसित करें। हम वैचारिक नेतृत्व करने की भूमिका में आगे आयें।

किसान आंदोलन: किसानों ने जलाई कृषि कानूनों की प्रतियां

नई दिल्ली। दिल्ली के बॉर्डरों पर जारी किसान आंदोलन रूकने का नाम नहीं रहा है। बुधवार को सिंघु-कुंडली बॉर्डर पर किसानों ने कृषि कानूनों की प्रतियाँ जलाकर विरोध किया। बॉर्डरों पर आंदोलनरत किसानों का कहना है कि जब तक कृषि कानून वापिस नहीं होंगे उनका किसान आंदोलन ऐसे ही जारी रहेगा। सिंघू बॉर्डर पर बने किसान मंच से संबोधन में आसाम से आई महिला किसान समर्थक ने कहा कि आने वाली 25 जनवरी को किसान आंदोलन को दो माह हो जाएंगे लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों की बेहतरी के लिए ये कृषि कानून वापिस नहीं लिये हैं। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए किसान नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार बड़े कारोबारियों के साथ के चक्कर में किसानों को भूल गई है। किसान यदि अन्न पैदा नहीं करेगा तो पूरा देश भूखा मर जाएगा। वहीं, मंगलवार हुए निर्णय के बाद किसानों ने खून से पत्र लिख कर कहा है कि जब तक कृषि कानून वापिस नहीं होंगे तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसान सिर्फ एक ही मांग कर रहे हैं कि ये तीनों कानून वापिस लिए जाए।

निगम कर्मियों ने अपनी मांगों के लिए काम बंद कर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। यूनाइटेड फ्रंट ऑफ एमसीडी एम्पलॉइज संगठन के महासचिव राजेन्द्र मेवाती के नेतृत्व में करोलबाग जोन, सिविल लाइन जोन कार्यालय पूर्णतया बन्द करवा दिए गए और सफाई नेता सुरेश कंडेरा और मजदूर नेता राजेश भारद्वाज के नेतृत्व में नरेला जोन में बुधवार को काम बंद कर धराना प्रदर्शन किया। वहीं, आज गुरूवार को केशवपुरम जोन कार्यालय को बंद करवाया जाएगा और निगम कर्मियों की जबरन अन्य कामों में ड्यूटी लगाने पर सिविल लाइन जोन के डीसी का घेराव किया जाएगा।

भारत का पहला रोमांटिक रेडियो स्टेशन 104.8 ISHQ FM की पेशकश 'इश्क में लक्की'

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत के पहले रोमांटिक रेडियो स्टेशन 104.8 ISHQ FM ने दिल्ली में नए अभियान 'इश्क में लक्की' के साथ नए साल की शुरूआत की है। अभियान का नेतृत्व 104.8 ISHQ FM के शाम के प्राइम टाईम जॉक, RJ लक्की द्वारा किया जा रहा है। फ्ख लक्की को डबगुरू के नाम से जाना जाता है जो 104.8 ISHQ FM दिल्ली पर सोमवार से शुक्रवार शाम 5-9 बजे के शो को होस्ट करते हैं। लोकप्रिय मिमिक, वॉइस ओवर कलाकार और एमसी, RJ लक्की 104.8 ISHQ FM दिल्ली के शाम के शो में भरपूर उर्जा लेकर आते हैं। एक महीने तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के माध्यम से स्टेशन अपने श्रोताओं को आकर्षक पुरस्कार जीतने के लिए रोचक एवं इंटरैक्टिव मंच प्रदान करेगा।

'इश्क में लक्की' के माध्यम से 104.8 ISHQ FM अपने श्रोताओं

को रु 1,04,800 तक के आकर्षक पुरस्कार जीतने का मौका देगा। वे श्रोता जो इसमें हिस्सा लेना चाहते हैं वे 7290-800-800 पर मिस्ड कॉल देकर या 104.8 ISHQ FM के इन्स्टाग्राम और फेसबुक हैण्डल्स पर रजिस्टर कर सकते हैं।

राहुल कुमार शॉ- सीईओ, टेलीविजन एण्ड रेडियो- TV TODAY NETWORK ने कहा, हम पूरी सकारात्मकता और आशा के साथ नए साल का स्वागत कर रहे हैं। 2021 के लिए दिल्ली में 104.8 ISHQ FM के पहले अभियान का लॉन्च करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। दिल्ली के अग्रणी रेडियो जॉकी RJ लक्की ने इसके लिए एक महीने पहले हमारे साथ हाथ मिलाया हैं। 'इश्क में लक्की' अपने श्रोताओं को आकर्षक कंटेंट उपलब्ध कराएगा और हमें उम्मीद है कि इसके लिए हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी और प्रतिभागी बढ़चढ़ कर इसमें हिस्सा लेंगे।

हरिद्वार-अमृतसर, कोलकता-अमृतसर तथा कोलकता-नंगलडैम के बीच त्यौहार स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन

नई दिल्ली। रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे हरिद्वार-अमृतसर, कोलकता-अमृतसर तथा कोलकता-नंगलडैम के बीच त्यौहार स्पेशल रेलगाड़ियों के संचालन की घोषणा रेलवे प्रशासन ने किया।जिसके अंतर्गत हावड़ा-अमृतसर-हावड़ा फैस्टिवल स्पेशल दैनिक रेलगाड़ी 18 जनवरी से 20 जनवरी तक प्रतिदिन हावड़ा से सांय 07.15 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन सुबह 08.40 बजे अमृतसर पहुंचेगी। वापसी दिशा में 03006 अमृतसर-हावड़ा फैस्टिवल स्पेशल दैनिक रेलगाड़ी 20 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रतिदिन अमृतसर से सांय 06.25 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन सुबह 07.30 बजे हावड़ा पहुंचेगी।

मार्ग में यह विशेष रेलगाड़ी वर्धमान, दुगार्पुर, रानीगंज, आसनसोल, चितरंजन, मधुपुर, जसीदीह, झाजा, क्यिूल, मोकामा, बख्तीयारपुर, पटना साहेब, पटना, दानापुर, आरा, डुमरान, बक्सर, दिलदारनगर, जमनियां, पं0 दीन दयाल उपाध्याय जं0, काशी, वाराणसी, भदोही, जंघई, बादशाहपुर, परतापगढ़, अमैठी, गौरीगंज, जैस, रायबरेली, बछरांवा, लखनऊ, बालामऊ, हरदोई, शाहजहांपुर, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, धामपुर, नगीना, नजीबाबाद, लक्सर, रूडकी, सहारनपुर, यमुनानगर जगाधरी, अम्बाला छावनी, राजपुरा, लुधियाना, फिल्लौर, फगवाड़ा, जलंधर छावनी, जलंधर सिटी तथा ब्यास स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

इसी प्रकार कोलकता-अमृतसर त्यौहार स्पेशल रेलगाड़ी २० जानवर्री को कोलकता से सुबह 07.40 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सांय 05.20 बजे अमृतसर पहुंचेगी। वापसी दिशा में 02318 अमृतसर-कोलकता फैस्टिवल स्पेशल रेलगाड़ी दिनांक 22 जनवरी को अमृतसर से सुबह 05.55 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन दोपहर 02.45 बजे कोलकता पहुंचेगी।

मार्ग में यह विशेष रेलगाड़ी आसनसोल, मधुपुर, जसीदीह, झाजा, क्यिूल, मोकामा, पटना साहेब, पटना, पं0 दीनदयाल उपाध्याय जं0, वाराणसी, सुल्तानपुर, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, नजीबाबाद, सहारनपुर, अम्बाला छावनी, सरहिंद, लुधियाना, जलंधर सिटी तथा ब्यास स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

तीसरी कोलकता-नंगलडैम त्यौहार स्पेशल रेलगाड़ी 21 जनवारी को कोलकता से सुबह 07.40 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सांय 03.55 बजे नंगलडैम पहुंचेगी। वापसी दिशा में 02326 नंगलडैम-कोलकता फैस्टिवल स्पेशल रेलगाड़ी 23 जनवरी को नंगलडैम से सुबह 06.50 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन दोपहर 02.45 बजे कोलकता पहुंचेगी।

मार्ग में यह विशेष रेलगाड़ी आसनसोल, जसीदीह, झाजा, क्यिूल, पटना, पं0 दीनदयाल उपाध्याय जं0, वाराणसी, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, अम्बाला छावनी, सरहिंद, रूपनगर तथा आनंदपुर साहिब स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

डॉ. हितेश गुप्ता की पत्नी को नौकरी देगी दिल्ली सरकार: केजरीवाल

सीएम ने कोरोना योद्धा के परिवार को दी एक करोड़ की आर्थिक मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना काल के दौरान कोरोना मरीजों की सेवा करते हुए अपनी जान गवाने वाले डॉ. हितेश गुप्ता के परिवार से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को उनके घर जाकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कोरोना योद्धा के परिवार को दिल्ली सरकार की तरफ से सहायता राशि के तौर पर एक करोड़ रुपए का चेक सौंपा। सीएम ने कहा कि डॉ. हितेश गुप्ता के निधन का हमें बहुत दुख है। हम उनके परिवार के साथ हैं और उनकी पत्नी को दिल्ली सरकार में नौकरी भी देंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. हितेश गुप्ता दिल्ली सरकार में

एक डॉक्टर के तौर पर काम कर रहे थे। कोरोना के मरीजों के लिए काम करते हुए उन्हें भी कोरोना हो गया और इलाज के दौरान अस्पताल में उनका निधन हो गया। डॉ. हितेश गुप्ता के निधन का हमें बहुत ही दुख और अफसोस है। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि जितने भी कोरोना योद्धा हैं, उन लोगों को हौसला देने के लिए और उनकी मदद करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक अनूठी योजना का ऐलान किया था। योजना के अनुसार, अगर हमारे किसी कोरोना योद्धा को काम करने के दौरान कोरोना हो जाता है और उसकी वजह से वे शहीद हो जाते हैं, तो हम उनके परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि देकर मदद करेंगे। उसी योजना के तहत मैं डॉ. हितेश गुप्ता के परिवार से मिलने आया था और हमने परिवार से मिल कर यह सहयोग राशि का चेक सौंपा है। सीएम ने कहा कि वैसे तो किसी की भी जान की कीमत नहीं होती है, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि इस सहयोग राशि से डॉ. हितेश गुप्ता के परिवार को मदद मिलेगी। सीएम ने कहा कि डॉ. हितेश गुप्ता की पत्नी काफी शिक्षित हैं। हम उनकी पत्नी को सरकार में नौकरी भी देंगे। उसके बाद भी उनकी जो जरूरतें होंगी, हम लोग उन जरूरतों को पूरी करने की कोशिश करेंगे।

संपादकीय

रजनी पीछे हटे, पर कमल डटे

तमिलनाडु की राजनीति में सिनेमा का तड़का तय है। चौबीस साल तक ऊहापोह के बाद सुपरस्टार रजनीकांत ने आखिरकार तमिलनाडु की राजनीति से दूर रहने का फैसला कर लिया, लेकिन एक अन्य सुपरस्टार कमल हासन राजनीति के मैदान में पूरी तरह से सक्रिय हैं। रजनीकांत ने अपने प्रशंसकों और समर्थकों से माफी मांग ली है और कहा है कि अपनी खराब सेहत की वजह से वह यह 'मुश्किल फैसला' ले रहे हैं। उनकी इस घोषणा ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। रजनीकांत के चुनाव में उतरने से त्रिकोणीय मुकाबले की जो स्थिति बनती दिख रही थी, वह अब अन्नाद्रमुक और द्रमुक की अगुवाई वाले गठबंधनों के बीच सिमट गई है।

हालांकि, खराब स्वास्थ्य के कारण रजनीकांत का यह फैसला लेना कहानी का महज एक पहलू है। दरअसल, तमाम दावों के बावजूद उनकी तैयारी अधूरी थी। उन्होंने 31 दिसंबर, 2017 को राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की थी, लेकिन वह अब तक उसका नाम भी तय नहीं कर सके थे। फिर, उन्होंने कहा था कि वह 'अलग तरह की राजनीति' करेंगे, जो 'अध्यात्मवाद' से प्रेरित होगी, मगर इसे भी वह स्पष्ट नहीं कर सके थे, जिस कारण मतदाता भ्रमित ही होते। राजनीतिक पंडितों के लिए यह साफ संकेत था कि राजनीति को लेकर रजनीकांत अपना मन नहीं बना सके हैं। इतना ही नहीं, वह भाजपा के पाले में भी जाते दिखे थे। भाजपा पिछले कुछ समय से राज्य की राजनीति पर नजर बनाए हुए है। बेशक वह अभी अपने पैर जमाने में सक्षम नहीं दिख रही, पर वह ऐसे किसी चेहरे की तलाश में रही है, जो राज्य में उसका प्रतिनिधित्व कर सके। रजनीकांत के फैसले ने उसकी उम्मीदों को भी जमींदोज कर दिया है। रजनीकांत के बरअक्स, कमल हासन ने 2018 में अपनी पार्टी का एलान किया था। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में वह उतरे और 3.7 फीसदी वोट भी हासिल किए। वह तमाम विवादित मुद्दों पर अपनी राय जाहिर करते रहते हैं। मदुरै व चेन्नई के शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में उन्होंने 10 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए थे। वह अब विधानसभा चुनाव में सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। कमल हासन को शहरी स्तर पर ज्यादा पसंद किया जाता है, जबकि रजनीकांत आम आदमी की पसंद हैं। हम कह सकते हैं, कमल हासन की छवि दक्षिण भारत में बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की तरह है, कुछ गंभीर, बुद्धिजीवी जैसी और रजनीकांत की छवि सुपरस्टार सलमान खान जैसी है। हां, हम कह सकते हैं कि कमल हासन की पहुंच अपेक्षाकृत कम है और रजनीकांत की पहुंच ज्यादा। दोनों का अपना-अपना प्रभाव है। कमल हासन इन दिनों पूरी तरह से राजनीति में लगे हैं। उनकी सभाओं में काफी भीड़ उमड़ती है, लेकिन यह भीड़ उन्हें देखने आती है या वोट भी करेगी, यह तो चुनाव के बाद ही पता चलेगा। कमल हासन खुद को तमिल राजनीति के कद्दावर नेता रहे एमजी रामचंद्रन से जोड़कर देखते हैं और लोगों को याद दिलाते हैं कि वह रामचंद्रन की गोद में खेलकर बड़े हुए हैं। रामचंद्रन की विरासत पर उनका दावा है, लेकिन वास्तव में उनके पास कांग्रेस के वोट ही जाएंगे। एक समय तमिलनाडु में कांग्रेस सशक्त पार्टी हुआ करती थी, लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं। ऐसे में, कांग्रेस के पारंपरिक वोट अगर कमल हासन को जाते हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं।

एक बात और गौर करने की है कि वह राज्य में सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक को खूब निशाना बनाते हैं, लेकिन द्रमुक पर अपेक्षाकृत कम बोलते हैं। इसलिए यह कयास स्वाभाविक है कि क्या कमल द्रमुक के साथ गठबंधन कर सकते हैं? ऐसी चर्चा और कोशिश हुई थी कि कमल हासन और रजनीकांत मिलकर राजनीति करें, पर दोनों की विचारधारा में अंतर है। वैसे दोनों मिल जाते, तो तीसरी ताकत बन सकते थे। हालांकि, कमल हासन खुद को तीसरी ताकत बताते हैं, लेकिन उनके पास ज्यादा मत प्रतिशत नहीं है। क्या उनके लिए रजनीकांत अपील कर सकते हैं? बहरहाल, कमल हासन कुछ समय तमिल बिग बॉस को देने के बाद राजनीति में डूबे हुए हैं, लेकिन वह भविष्य में फिल्में करेंगे और रजनीकांत भी काम जारी रखेंगे। एमजी रामचंद्रन भी मुख्यमंत्री होने के बावजूद फिल्मों में काम करते थे। निश्चय ही, रजनीकांत के लाखों अनुयायी हैं। सिनेमा का उनका जादू इन दिनों बेशक कमजोर पड़ता दिख रहा है, लेकिन वह अब भी अपने प्रशंसकों के दिल में बसते हैं। लोग आज भी उनकी फिल्मों का इंतजार करते हैं। प्रशंसक उन्हें उनके 'असंभव स्टंट' और स्टाइलिश ढंग से दिए गए 'जवाबी डॉयलॉग' के लिए पसंद करते हैं। लेकिन अपनी इस सफलता को वह राजनीति की दुनिया में भी आसानी से बरकरार रख पाते, यह सोचना मूर्खता होगी। असल में, सिनेमा से गुंथी हुई तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से जगमग, जटिल और अलहदा रही है, लेकिन बाकी तमाम जगहों की तरह अनिश्चित भी रही है। समर्थकों व प्रशंसकों ने रजनीकांत को सियासत में उतरने के लिए प्रोत्साहित किया था। वे रुपहले परदे पर उनको बुराई, बुरे हालात और बुरे इंसानों से लड़ते देखते रहे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि वह उनके पक्ष में आवाज बुलंद करेंगे, और रोजाना की उनकी मुश्किलों से अपने अंदाज में लड़ेंगे। मगर रजनीकांत ने खुद को किनारे रखने में ही अपना हित देखा। वह नियति में विश्वास करते हैं। उन्होंने दावा किया था कि वह राजनीति में इसलिए उतर रहे हैं, क्योंकि यह वक्त की जरूरत है। लेकिन लगता है कि वह हालात को सही से पढ़ नहीं पाए। उनसे यह उम्मीद की गई थी कि वह अपने पांवों पर खड़े होंगे और बिना किसी टेक से ही राजनीति में लड़कर जीत जाएंगे, जिसे उन्होंने कभी युद्ध बताया था। मगर ऐसा कुछ करने के बजाय उन्होंने पीछे हटने का रास्ता चुना। हालांकि, उन्होंने अपने पांव जरूर वापस खींच लिए हैं, लेकिन इस ईमानदार स्वीकारोक्ति के लिए उनकी तारीफ जरूर की जानी चाहिए कि राजनीति उनके वश की बात नहीं है। अब लोगों की नजर कमल हासन पर है कि वह आगामी चुनाव में क्या गुल खिलाते हैं। साफ है, अब अन्नाद्रमुक और द्रमुक नेतृत्व वाले गठबंधनों के बीच चुनावी जंग की पुरजोर संभावना है। मगर इसमें अब भी कई मोड़ आ सकते हैं, क्योंकि विधानसभा चुनाव अभी पांच महीने दूर हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

राहुल गांधी का उद्यमशीलता पर खतरनाक प्रहार~ मोदी सरकार के फैसलों पर वाजिब सवाल उठाने में रहे नाकाम

> इस प्रकार ओ रूर्क कहते हैं कि 'यदि खनिज संपदाएं संपन्नता तय करतीं तो कई अफ्रीकी देश स्कैंडेनेवियाई देशों से अमीर होते' और यदि शिक्षा संपन्नता का कारण होती तो 99 प्रतिशत साक्षरता दर वाले उत्तर कोरिया की प्रति व्यक्ति आय 44 प्रतिशत साक्षरता दर वाले मोरक्को से एक चौथाई न होती। कई पहलुओं पर विचार के बाद ओ रूर्क का निष्कर्ष यही रहा कि संपदा सृजन और उद्यमियों का सम्मान करने वाले समाज ही संपन्न बनते हैं। अमेरिका इसका जीवंत उदाहरण है जहां हेनरी फोर्ड से लेकर बिल गेट्स अमेरिकी समाज के हीरो रहे हैं।

नए साल में जब लगभग हर तरफ सकारात्मकता और नई उम्मीदों की रोशनी दिख रही तब राजनीतिक बिरादरी में एक वर्ग अभी भी नकारात्मकता का दामन छोड़ने को तैयार नहीं दिखता। वह देश में उद्यमियों के खिलाफ माहौल बनाने में जुटा है। वैसे तो राजनीति में गौरव, आकांक्षा और हताशा जैसे भावों की अभिव्यक्ति नारों और जुमलों के माध्यम से होती रही है। ये अभिव्यक्तियां उस दौर की राजनीति को परिभाषित भी करती रही हैं। जैसे इंदिरा गांधी का 'गरीबी हटाओ' नारा निराशा के माहौल में आशा की किरण दिखता था या फिर एक समय 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' छद्म धर्मनिरपेक्षता से त्रस्त हिंदुओं का विप्लव घोष बना। लोकनायक जेपी का 'इंदिरा हटाओ देश बचाओ' आपातकाल के बाद सत्ता परिवर्तन का मंत्र बना। हालांकि ऐसा नहीं है कि सभी नारों या जुमलों को जन स्वीकार्यता मिली हो। वर्ष 2004 में भाजपा के 'इंडिया शाइनिंग' को जनता ने ठुकरा दिया।

कुछ जुमलों को तो जनता ने न सिर्फ नकारा, बल्कि जवाबी नारा देकर पुरजोर विरोध भी किया। जैसे 2019 के आम चुनाव में राहुल गांधी द्वारा दिए गए नारे 'चौकीदार चोर है' का प्रतिकार 'मैं भी चौकीदार' रूपी प्रचंड गर्जना में मिला। फिर भी ऐसी जन फटकार से बेफिक्र कांग्रेस के युवराज राहुल नए-नए जुमले गढ़ते रहे। इसी कड़ी में उन्होंने पिछले कुछ समय से 'अंबानी और अदाणी' को अपशब्द के रूप में उपयोग कर अपनी राजनीति का केंद्र बिंदु बना लिया है।

यह दुस्साहस ही है कि जिस गांधी परिवार के सदस्यों पर तमाम घोटालों के आरोप लगते रहे और जो भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर बाहर हैं वे उन कारोबारी घरानों को क्यों निशाना बना रहे हैं जिन्होंने उद्योग लगाकर, रोजगार देकर बड़ी मात्रा में राष्ट्र के

लिए संपदा सृजन किया है। यही नहीं कांग्रेस ने इन्हीं अंबानी और अदाणी से चुनावी चंदा और यात्रा के लिए चार्टर्ड विमान जैसी सुविधाएं भी बेहिचक ली हैं। साथ ही अंबानी और अदाणी को अपने शासनकाल में विभिन्न उद्योगों के लाइसेंस व स्वीकृति भी दी हैं। ऐसी विसंगतियों और प्रकट पाखंड के बावजूद राहुल गांधी द्वारा बार-बार की जा रही इस जुमलेबाजी के बाद 'अंबानी-अदाणी' का मसला आज चर्चा के केंद्र में है। यहां तक कि दिल्ली में जारी किसान आंदोलन में भी दोनों उद्योगपति निशाने पर हैं। जहां राहुल ने कृषि कानूनों को 'अंबानी अदाणी कानून' बताया वहीं कुछ प्रदर्शनकारियों ने उनके उत्पादों के बहिष्कार की मुहिम शुरू कर दी।

राहुल को लगता है कि बड़े उद्यमियों से ईर्ष्या भाव का राजनीतिक दोहन करने के साथ ही वह उनकी गुजराती पृष्ठभूमि के कारण जनता के मन में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति शंका के बीज रोपित कर पाएंगे। जबकि तथ्य यही है कि पिछले चुनाव में राफेल जैसे आरोपों को सिरे से खारिज कर जनता ने मोदी की ईमानदारी पर अपनी मुहर लगाई। यदि राहुल ने पिछले कुछ जनमतों को ठीक से समझा होता तो वह जानते कि भारतीय समाज अब जाति, भाषा और क्षेत्रीयता की बेड़ियों को तोड़कर आकांक्षी समाज बन रहा है जिसमें अंबानी और अदाणी ईर्ष्या के पात्र न होकर युवाओं के लिये प्रेरणास्नोत हैं। नए भारत को वर्ग संघर्ष, धन-संपन्नता से द्वेष और उस द्वेष को बौद्धिक प्रपंचों द्वारा गढ़े गए विचारधारा रूपी ढकोसलों में कोई रुचि नहीं है। मार्क्स और उनके देसी चेले अब भारतीय युवाओं को आकर्षित नहीं करते। इसके उलट वॉरेन बफे, स्टीव जॉब्स और इंदिरा नूई नए आदर्श हैं। यदि फिल्मों को लोक संस्कृति का बिंब माना जाए तो वहां भी कथानक बदल रहे हैं। उनमें कभी उद्यमियों का खलनायक के रूप में चित्रण हुआ करता, परंतु आज उनके नायकत्व पर फिल्में बनती हैं। मणिरत्नम जैसे दिग्गज फिल्मकार खुद धीरूभाई अंबानी के जीवन पर 'गुरु' फिल्म बना चुके हैं। तमिल फिल्म 'अंबासमुद्रम अंबानी' में उद्यमी बने नायक शंकरनारायणन ने रिलीज के बाद अपना नाम ही अंबानी शंकर रख लिया।

देर से ही सही, पर भारतीय अब समझने लगे हैं कि उसका भविष्य समाजवादी नारों में नहीं, बल्कि उद्यम और संपदा सृजन में है। इस बोध से आगे बढ़कर वैश्विक स्पर्धा में संपन्नता के संबंध में अमेरिकी विचारक पीटर जेक ओ रूर्क के विचार उल्लेखनीय हैं। अपनी पुस्तक 'ईट द रिच'(1998) में उन्होंने लिखा कि 'क्यों कुछ स्थान अन्य जगहों से अधिक संपन्न होते हैं?' वह जवाब देते हैं कि इसकी वजह बुद्धि तो नहीं हो सकती, क्योंकि 'कोई भी जगह बेवर्ली हिल्स से ज्यादा मूढ़ नहीं, परंतु वहां के नागरिक पैसों में लोट रहे हैं जबकि शतरंज की लोकप्रियता वाले रूस में लोग सूप बनाने के लिए पत्थर उबाल रहे हैं।' तब रूस की वित्तीय हालत बहुत खस्ता थी।

इस प्रकार ओ रूर्क कहते हैं कि 'यदि खनिज संपदाएं संपन्नता तय करतीं तो कई अफ्रीकी देश स्कैंडेनेवियाई देशों से अमीर होते' और यदि शिक्षा संपन्नता का कारण होती तो 99 प्रतिशत साक्षरता दर वाले उत्तर कोरिया की प्रति व्यक्ति आय 44 प्रतिशत साक्षरता दर वाले मोरक्को से एक चौथाई न होती। कई पहलुओं पर विचार के बाद ओ रूर्क का निष्कर्ष यही रहा कि संपदा सृजन और उद्यमियों का सम्मान करने वाले समाज ही संपन्न बनते हैं। अमेरिका इसका जीवंत उदाहरण है जहां हेनरी फोर्ड से लेकर बिल गेट्स अमेरिकी समाज के हीरो रहे हैं। दूसरी ओर राहुल और उनके जैसी उद्योग विरोधी मानसिकता के लोग हमारे उद्यमियों को अपशब्द का पर्याय बनाकर हमें वापस उस समाजवादी खुमारी में वापस धकेलना चाहते हैं जिससे देश बड़ी मुश्किल से उबरा है। यदि 'अदाणी-अंबानी' की राहुल की निंदा का आशय 'क्रोनी कैपिटलिज्म' यानी साठगांठ वाले पूंजीवाद से है तो भी वह मोदी सरकार के किसी नीतिगत फैसले पर वाजिब सवाल उठाने में भी नाकाम रहे हैं।

सबसे गर्म साल

साल 2020 का 2016 के साथ संयुक्त रूप से ज्ञात इतिहास में दुनिया के सबसे गर्म साल के रूप में दर्ज होना एकबारगी चौंका देता है। पहली बात तो यह कि साल 2016 अल नीनो इफेक्ट के लिए चर्चा में रहा था जो वातावरण में गर्मी बढ़ाता है। इसके उलट साल 2020 में ला नीना इफेक्ट रहा जिसे अल नीनो के उलट दुनिया को ठंडी करने वाली परिघटना कहा जा सकता है। इससे भी बड़ी बात यह है कि 2020 में कोरोना वायरस ने ऐसा तहलका मचाया कि मानव समाज के सारे चक्के जैसे एकाएक थम गए।

लॉकडाउन के चलते तमाम लोग अपने घरों में बंद हो गए और हवाई जहाज, गाड़ी, मोटर आदि से लेकर फैक्ट्रियों की मशीनें तक जाम हो गईं। इसका नतीजा इस रूप में सामने आया कि आसमान साफ नजर आने लगा, हवा में प्रदूषण का स्तर नीचे चला गया, नदियों में गंदगी कम दर्ज की गई और मनुष्यों से इतर बाकी सारे जीव ज्यादा चैन और सुकून से घूमने लगे। यह स्थिति साल के तीन चौथाई हिस्से में व्याप्त रही, जिससे यह नतीजा निकालना स्वाभाविक था कि कार्बन उत्सर्जन में कमी के कारण कम से कम ग्लोबल वॉर्मिंग की दृष्टि से यह साल आदर्श माना जाएगा।

इन अनुमानों के विपरीत 2020 का सबसे गर्म साल साबित होना इस मायने में निराश करता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था ठप होने के बावजूद ग्लोबल वॉर्मिंग के मोर्चे पर हम कुछ हासिल नहीं कर पाए। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि ग्लोबल वॉर्मिंग की प्रक्रिया को यहां तक लाने में भले मनुष्य समाज का सीधा हाथ रहा हो, पर अब यह इतनी जटिल हो चुकी है कि हम चाहकर भी इसपर सीधा नियंत्रण नहीं बना सकते। ऐसी ग्रह-स्तरीय समस्याओं से निपटने के लिए इंसानी समाज के लिए जैसा आचरण जरूरी बताया जा रहा था, अनिच्छा से ही सही पर पिछले साल हमने उसे अपने ऊपर लागू किया। इसके बावजूद हालात बिगड़ते गए।

आर्कटिक के कुछ हिस्सों और उत्तरी साइबेरिया में इस साल तापमान में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। पश्चिमी साइबेरिया क्षेत्र में भी ठंड और बसंत अस्वाभाविक रूप से गर्म रहे। सबसे बड़ी बात यह कि जंगलों की आग ने आर्कटिक क्षेत्र में इस साल कुछ ज्यादा ही सक्रियता दिखाई। आर्कटिक सर्कल और नॉर्थ पोल के बीच वाइल्डफायर की वजह से 2020 में 244 मेगाटन कार्बन डाइऑक्साइड निकली जो 2019 के मुकाबले 33 फीसदी ज्यादा है।

कुल मिलाकर इसका मतलब यह कि पर्यावरण विनाश की ओर बढ़ती मानव सभ्यता के कदमों पर ब्रेक लगाने की क्षमता भी अब हमारे पास नहीं बची है। साफ है कि सुधार के लिए अंतिम पलों का इंतजार आत्मघाती होगा। हमें ग्लोबल वॉर्मिंग की रफ्तार घटाने के हर संभव प्रयास अभी से और लगातार जारी रखने होंगे ताकि हमारे ग्रह का असंतुलित पर्यावरण इस सदी के बीतने से पहले अपना संतुलन वापस पा ले।

भाषा की शालीनता लोकतंत्र में सहयोग, संवाद की पहली सीढ़ी है जिसे सत्तापक्ष-विपक्ष मिलकर मजबूत करें

अपना नया पेशेवर दायित्व संभालने के लिए करीब पचास वर्ष पहले मैं बनारस से भुवनेश्वर गया था। मेरा परिवार साथ था। उसमें मेरी डेढ़ साल की बेटी भी थी। वहां पहुंचने के सात-आठ दिन बाद एक आठ-नौ साल की बच्ची अपनी मां के साथ मेरे घर आई और मेरी बेटी के साथ खेलने लगी। वह उड़िया बोलती रही थी। हम उस भाषा से अपरिचित थे। थोड़ा सशंकित भी थे कि उसके कारण यहां कठिनाई होगी। तभी मैंने उस बच्ची को अपनी बेटी के लिए एक मीठी-सी झिड़की के रूप में एक 'अभद्र' शब्द 'पिल्ला' कहते सुना! उस शब्द का वह उपयोग मुझे अत्यंत सार्थक लगा। उसके बाद मैंने कई विद्वानों से इस पर चर्चा की और भाषा की पवित्रता को जानने का प्रयास किया। बाद में अपने विद्यार्थियों को भी भाषा की शालीनता तथा पवित्रता का ध्यान रखने के लिए प्रेरित करता रहा। मैं उस बच्ची को आज भी याद करता रहता हूं, जिसने मुझे जीवन में एक ऐसा पाठ पढ़ा दिया था जो मैं कभी भूला नहीं। मैंने अपने पिछले साठ वर्ष 'पढ़े-लिखे' लोगों के बीच ही बिताए हैं। इस दौरान देश-विदेश में अनेक विद्वानों के बीच जाने और विभिन्न विषयों पर चर्चा करने का अवसर मिला। मेरा निष्कर्ष यही रहा है कि भाषा की जो शालीनता भारत में या यों कहें कि पूरब की संस्कृति में है वह अपने में अद्भुत है। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) विश्वविद्यालय के अपने दिनों में मैंने देश के कई बड़े मनीषियों को सुना। उनमें स्वतंत्रता सेनानी और पक्ष-विपक्ष के कई महत्वपूर्ण नेतागण शामिल थे। उनकी वक्तृता, विश्लेषण क्षमता, अध्ययन, ज्ञान तथा सेवा के प्रति समर्पण हमें हर बार नई सीख दे जाते थे। वहां सत्ता पक्ष के नेताओं द्वारा अपनी उपलब्धियां भी गिनाई जाती थीं। वहीं विपक्ष उनकी धज्जियां भी उड़ाता था। इसमें हमें आनंद आता था। हमें नई जानकारियां भी मिलती थीं और अधिक पढ़ने-जानने की इच्छा बढ़ती थी। डॉ. राममनोहर लोहिया की विद्वता और विश्लेषण क्षमता का निशाना पंडित नेहरू बनते थे। पंडित नेहरू को सारा इलाहाबाद अपना मानता था, प्यार करता था। दूसरी ओर डॉ. लोहिया को भविष्य की उम्मीद मानता था और उनकी आलोचनाओं का आनंद भी उठाता था। दुख की बात है कि पक्ष-विपक्ष के नेताओं के बीच वह पारस्परिक सम्मान तथा भाषाई शालीनता आज कहीं तिरोहित हो गई है। भाषाई अभद्रता का भारत की राजनीति में तेजी से सामान्यीकरण हो रहा है। चिंता की बात है कि इसे रोकने के प्रयास भी नहीं किए जा रहे हैं?

मैंने कई जानकारों से इस पर चर्चा की है। सभी को भारत की भावी पीढ़ियों की चिंता है। पारस्परिक सम्मान और श्रद्धा में आई यह कमी बहुधा उनकी भाषा में दिखाई-सुनाई पड़ती है। पिछले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए 'चौकीदार चोर है' देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस का नारा था। तब राहुल गांधी की ओर से जन सभाओं में यह नारा लगाया जाता था। मुझे उन्हीं दिनों फ्रांस जाने का अवसर मिला था। वहां भी लोग जानना चाहते थे कि क्या इसमें कोई सच्चाई है? मैंने उत्तर तो दिया, मगर अपने अंदर पीड़ा और अपमान बोध भी सहन किया। मुझे प्रतिक्रियास्वरूप याद आया कि जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री के पद पर आए थे तब विपक्ष में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे तपे हुए अनुभवी नेता उपस्थित थे। उनमें से किसी ने नहीं कहा था कि एक व्यक्ति द्वारा केवल अपनी पसंद के कारण किसी दूसरे को इतने महत्वपूर्ण पद पर बैठाना प्रजातंत्र तो नहीं था। तकनीकी तौर पर कुछ भी कहा जाए, पर डॉ. मनमोहन सिंह न देश की पसंद थे, न ही कांग्रेस पार्टी के। वह शायद स्वयं भी इसे जानते और समझते रहे होंगे। वह यह भी जानते होंगे कि भारत का प्रधानमंत्री उसी को बनना चाहिए जिसे जनता ने चुना हो। जबकि वह राज्यसभा से यह हलफनामा देकर चुने गए थे कि वह सामान्यत~ असम में निवास करते हैं। तत्कालीन विपक्ष ने यह प्रश्न भी कभी नहीं उठाया कि कम से कम दूसरे कार्यकाल में तो उन्हें लोकसभा का चुनाव लड़ना ही चाहिए था। इसके अलावा 2004-14 तक के दस वर्षों में जितने घोटाले देश के सामने आए, वह इतिहास है। मुझे याद नहीं है कि उस समय किसी विपक्षी दल या नेता ने प्रधानमंत्री या किस मंत्री को चोर कहा हो। क्या इसका मुख्य कारण केवल यह था कि तब विपक्ष के पास प्रबुद्ध और विचारशील नेतृत्व उपस्थित था? वास्तव में प्रजातंत्र में ऐसा नेतृत्व उभरना असंभव है जिसमें किसी प्रधानमंत्री को सभी लोग पसंद करते हों। यह नरेंद्र मोदी के साथ भी लागू है। गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए जितनी आलोचना और तत्कालीन सत्तापक्ष और सरकारी तंत्र का दबाव उन्होंने झेला है, वैसा अन्य कोई उदाहरण नहीं है। आलोचना और तिरस्कार सहने में वह अद्वितीय हैं। जब उन्हें चोर कहा जा रहा था तब उसका उनके ऊपर कोई प्रभाव पड़ा हो, इसे कोई नहीं मानेगा। निश्चित ही यह नारा कांग्रेस पर ही उल्टा पड़ गया और चुनाव में नरेंद्र मोदी को जबरदस्त लाभ पहुंचाया। दुख की बात है कि इस समय जब देश कोरोना, चीन और पाकिस्तान का एक साथ सामना कर रहा है, तब भाषागत शालीनता को फिर से भुला दिया गया है।

चुनौतियों व उपलब्धियों भरे बीते दो दशक, महिला सशक्तीकरण की राह पर अग्रसर

> हालांकि अनेक कारणों से यह अपने लक्ष्य को साधने में पूरी तरह से कारगर साबित नहीं हो पाया। गरीबों के लिए पांच लाख रुपये तक इलाज वाली आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 12.5 करोड़ परिवारों द्वारा अपना ई-कार्ड बनवा लेने का सरकारी दावा है। फसल बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा कर्ज योजना, फेरीवालों के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि कर्ज योजना आदि भी चलाई गई हैं। महामारी के आरंभिक छह माह में गरीबों को मुफ्त राशन वितरण तथा वरिष्ठ नागरिकों व अन्य कमजोर तबकों को आर्थिक सहायता दी गई।

बीत रहे साल 2020 को कोविड महामारी से भारत में ही एक करोड़ से अधिक लोगों के संक्रमित होने तथा लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत के कारण सदी का सबसे भयावह वर्ष माना जा सकता है। इससे हुई सामाजिक उथल-पुथल के बावजूद निस्वार्थ मदद की उष्मा ने मानवता की भावनात्मक एकता की मिसाल भी कायम की। वर्ष 2020 की आखिरी ठंडी शाम के साथ यह साल भी करवट ले रहा है। इस सदी के आरंभिक दो दशकों में हमने उपग्रह बनाने और उन्हें व्यावसायिक स्तर पर अंतरिक्ष में स्थापित करने में नाम कमाया है। चंद्रयान भेजकर हमने कवियों के महबूब, चांद की असलियत टटोलने का प्रयास भी किया है। उम्मीद की जा रही है कि चांद पर अगली दस्तक हमारे अंतरिक्ष यात्री देंगे। उपग्रह प्रक्षेपण से हमें रॉकेट प्रौद्योगिकी में तरक्की मिली जिससे हम धरती से धरती पर, धरती से हवा में और हवा से हवा में एवं हवा से धरती पर सैकड़ों मील दूर मार करने में सक्षम मिसाइलें बनाने और दागने में सफल हैं। इसके साथ ही, पनडुब्बी, विमान, टैंक, तोप और युद्धपोत आदि भी हम सफलतापूर्वक बना रहे हैं। इसी दौरान सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार एवं भोजन का संवैधानिक अधिकार देकर विधायी उपायों से लोगों को अशिक्षा एवं गरीबी से उबारने की अनूठी लोकतांत्रिक पहल की गई है। देश की जनता ने भी अहिंसक चुनावों में अपने विवेकानुसार दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों सहित राज्यों और केंद्र में नए निजाम चुनकर अपनी लोकतांत्रिक

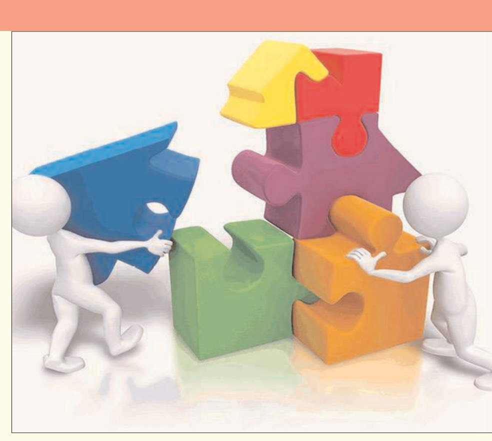

परिपक्वता की धाक जमाई है। नरेंद्र मोदी वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने। भारतीय जनता पार्टी ने देश में पहली बार बहुमत की सरकार बनाई। फिर उससे भी अधिक सीट 2019 के आम चुनाव में जीती और दोबारा सरकार बनाई। वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में संसद के नए भवन और अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना के लिए दो महत्वपूर्ण भूमिपूजन किए। जाहिर है कि यही दो इमारतें अगले दशक में देश की राजनीति की धुरी बनेंगी।

इसी सदी में हमने करोड़ों बच्चों को दो बूंद जिंदगी की वैक्सीन पिला कर पोलियो रोग से मुक्ति पाई है। अब कोविड की छूत से बचाने वाली वैक्सीन भी टीकाकरण के लिए लगभग तैयार है। इसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद तथा भारत बायोटेक के वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। इसके अलावा, ऑक्सफोर्ड एस्ट्रा जेनेका सहित इस महामारी की आधा दर्जन अन्य वैक्सीनों का उत्पादन भी भारत स्थित दवा कंपनियों में ही होगा। मौजूदा क्षमता के तहत हम कोविड निवारक वैक्सीन के सालाना ढाई अरब टीके बना सकते हैं। हमने बच्चों और गर्भवती माताओं के लिए पोषण एवं इंद्रधनुष टीकाकरण कार्यक्रम चलाकर आने वाली पीढ़ियों को निरोग एवं पुष्ट बनाने की अनूठी कोशिश की है। देश के लगभग 16 करोड़ बच्चों को स्कूल में ही दोपहर का भोजन खिला कर उन्हें पढ़ाई में लगाए रखने का सबसे बड़ा वैश्विक कार्यक्रम भी चलाया है। इस बीच दुनिया ने भी महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाना शुरू कर मानवता को भारत के दो महानतम योगदान का लोहा माना है। इस बीच 21वीं सदी को महिलाओं की सदी बताने से दुनिया की आधी आबादी और एशिया की सदी करार देने से सबसे अधिक आबादी वाले महाद्वीप में बेहतर एवं समृद्ध भविष्य की उमंग भी जगी। महिलाओं को काम की जगह पर सुरक्षित परिवेश प्रदान करने के लिए कार्यस्थल महिला यौन उत्पीड़न बचाव, निषेध एवं निवारण कानून, 2013 लागू किया गया। इसके अलावा, साल 2012 में निर्भया कांड के बाद उभरे जनाक्रोश के दबाव में महिलाओं पर बुरी नजर डालने, उनसे छेड़छाड़, उनके यौन उत्पीड़न एवं दुष्कर्म जैसे अपराधों के लिए कानूनी प्रावधान बेहद कड़े किए गए हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने जहां हमारे संरक्षित पेटेंट कानूनों में संशोधन का जोखिम उठाया, वहीं वित्तीय वर्ष 2003-04 में जीडीपी की वार्षकि वृद्धि दर आठ फीसद पहुंचाने का रिकार्ड भी बनाया। इसके बाद यूपीए सरकार ने अपने एक दशक के शासनकाल में सात साल आठ फीसद से अधिक ही वृद्धि दर दर्ज की, मगर वर्ष 2011-12 से यह गच्चा खा गई। तब से वृद्धि दर का औसत छह फीसद ही निकल रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में तो महामारी जनित कारणों ने वृद्धि दर को आर्थिक घटौती दर में बदल कर नकारात्मक कर दिया है। हालांकि नोटबंदी और डिजिटल इंडिया से ऑनलाइन लेनदेन तथा कारोबार में तेजी आई है। मोदी सरकार ने खुदरा स्टोरों में विदेशी पूंजी निवेश के बजाय ऑनलाइन व्यापार में विदेशी पूंजी को कुबूल किया है। बुनियादी ढांचे से लेकर दूरसंचार, नागरिक उड्डयन, बीमा और रक्षा उत्पादन जैसे अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक क्षेत्रों में भी विदेशी पूंजी निवेश की शर्तो को उदार बनाया गया है। इसका मुख्य मकसद महामारी की शुरूआत चीन से होने से बिदक कर वहां से हट रहे बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं उद्यमों को आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत पूंजी निवेश के लिए आकर्षति करना है। वर्ष 2005 में संसद से पारित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून यानी मनरेगा का बजट सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है। वर्ष 2008 में भारत-अमेरिका नागरिक परमाणु समझौते ने हमें अंतरराष्ट्रीय परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह की सदस्यता दिलाई। भारत अब अमेरिका का रणनीतिक साझेदार भी है, जिससे हमें लद्दाख सीमा पर चीन को रोकने में मदद मिल रही है। इसी बीच एक देश-एक कर मुहिम के तहत देश भर में जीएसटी यानी माल एवं सेवा कर प्रणाली लागू की गई है। साल 2016 में आठ नवंबर के बाद केंद्र सरकार ने काला धन खत्म करने के नाम पर पांच सौ एवं एक हजार रुपये के नोटों का चलन रोक दिया।

हालांकि अनेक कारणों से यह अपने लक्ष्य को साधने में पूरी तरह से कारगर साबित नहीं हो पाया। गरीबों के लिए पांच लाख रुपये तक इलाज वाली आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 12.5 करोड़ परिवारों द्वारा अपना ई-कार्ड बनवा लेने का सरकारी दावा है। फसल बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा कर्ज योजना, फेरीवालों के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि कर्ज योजना आदि भी चलाई गई हैं। महामारी के आरंभिक छह माह में गरीबों को मुफ्त राशन वितरण तथा वरिष्ठ नागरिकों व अन्य कमजोर तबकों को आर्थिक सहायता दी गई। महामारी से कामबंदी के कारण लाखों मजदूरों ने जब सैकड़ों मील दूर अपने घरों की राह पैदल ही पकड़ी तो पूरी दुनिया ने उस पर ध्यान दिया। अंतत~ भारत सरकार ने भी इन मजदूरों की घरवापसी के लिए विशेष ट्रेन चलाईं एवं कुछ राज्य सरकारों ने विशेष बसों से उन्हें घर पहुंचाया।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली...91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

रोहतास पुलिस की बड़ी कार्रवाई में 175 ट्रक बालू जब्त, एसपी ने कहा- बख्शे नहीं जाएंगे अवैध बालू के कारोबारी

रोहतास। जिले में अवैध बालू के कारोबार पर प्रशासन व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। किसी हाल में अवैध खनन या कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसा करने वाले नपेंगे। ये बातें एसपी आशीष भारती ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मेदनीपुर कंचनपुर व लेरुआ गांव में मंगलवार देर रात तक अवैध तरीके से डंपिंग कर बिक्री रखे गए करीब 175 ट्रक बालू जब्त किए गए हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस प्रशासन और खनन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में बालू को जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवैध बालू का भंडारण व बिक्री करने वाले को चिह्नित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। जिनकी जमीन पर बालू रखा जाएगा उन जमीन मालिकों पर भी प्राथमिकी दर्ज की जाएगी । उन्होंने कहा कि जिले में योगदान करने के बाद अवैध बालू के कारोबार की जानकारी प्राप्त हुई थी । उक्त जानकारी के बाद जिला प्रशासन के साथ संयुक्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि यह अभियान नियमित जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार में शामिल लोगों पर हर हाल में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने खेत में डंप की गई 75 हजार सीएफटी बालू की जब्त

गौरतलब है कि डीएम धर्मेंद्र कुमार भी बालू के अवैध धंधे पर सख्त हो गए हैं। डीएम के निर्देश पर मंगलवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लेरुआ, कंचनपुर व मेदनीपुर इलाके में अवैध रूप से डंप बालू को प्रशासन ने जब्त कर लिया। अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में मंगवार को पूरे दिन बालू जब्ती की कार्रवाई की गई। सैकड़ों एकड़ खेत में डंप बालू को जब्त कर लिया गया। अनुमंडल प्रशासन के नेतृत्व में अबतक की यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। शाम तक चले मैराथन कार्रवाई के दौरान करीब 75 हजार सीएफटी बालू जब्त की जा चुकी थी।

बीपीएससी 1284 पदों के लिए 18 जनवरी को जारी करेगा रिजल्ट, अगले माह से इंटरव्यू

पटना । बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 1284 पदों के 18 जनवरी को मेंस यानी मुख्य परीक्षा का परिणाम जारी करेगा। राज्य के विभिन्न विभागों में सहायक अभियंता के पदों के लिए वर्ष 2017 में ही बीपीएससी ने आवेदन पत्र मांगे थे। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए विभिन्न राज्यों से 29 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। 2018 में हुई प्रारंभिक परीक्षा में नौ हजार दो सौ 50 अभ्यर्थी सफल हुए थे। मार्च 2019 में इसके लिए मुख्य परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रारंभिक परीक्षा के चार प्रश्नों के विकल्प में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए कुछ अभ्यर्थी पटना हाईकोर्ट का रूख किया था।

हाईकोर्ट ने दिखा दी है हरी झंडी- पटना हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए एक नई कमेटी से प्रश्नों-उत्तर को जांच कराने का निर्देश दिया था। जबकि, आयोग अपनी एक्सपर्ट कमेटी से दो-दो बार इसे जांच करा चुकी थी। मामले में बीपीएससी सिंगल बेंच के फैसले को डबल बेंच में अपील की थी। जहां कोर्ट ने आयोग के हक में फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा है कि आयोग का एक्सपर्ट कमेटी ही विकल्प की जांच के लिए पर्याप्त है। इसके बाद अब रिजल्ट देने की तैयारी की जा रही है। बिहार लोक सेवा आयोग के संयुक्त सचिव सह परीक्षा नियंत्रक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि आयोग 18 जनवरी को सहायक अभियंता के 1284 पदों का परिणाम जारी करेगा, जबकि फरवरी में इसके लिए साक्षात्कार आयोजित करेगा। उन्होंने बताया कि मेंस के परिणाम जारी करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में सहायक अभियंता की नियुक्ति की जानी है। इसमें भवन निर्माण विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, लघु सिंचाई विभाग, आरईओ आदि विभागों में इनकी सेवा ली जानी है। यदि सब कुछ सही रहा तो अप्रैल 2021 तक परिणाम जारी कर दिया जाएगा। इसके लिए युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है।

हत्या और दुष्कर्म की 40-50 खबरें सुने बिना नहीं आती नींद, राजद ने बिहार सरकार पर जड़ा यह आरोप

पटना। हाल के दिनों में अपराध की ताबड़तोड़ घटनाओं के कारण बिहार में सरकार विपक्ष के निशाने पर है। राजधानी पटना के वीआइपी इलाके शास्त्रीनगर में इंडिगो एयरलाइंस के एयरपोर्ट मैनेजर रूपेश सिंह की मंगलवार को हत्या के बाद विपक्ष ने बिहार सरकार और बिहार पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष ने सरकार और बिहार पुलिस का इकबाल खत्म होने की बात कही है। राष्ट्रीय जनता दल के आधिकारिक ट्वटिर हैंडल से इस घटना पर ट्वीट करते हुए लिखा गया है कि पटना में महाजंगलगराज का तांडव फिर शुरू हो गया है। इस ट्वीट में कहा गया है कि जब तक 40-50 हत्याओं और दुष्कर्म की खबरें मुख्यमंत्री सुन नहीं लेते, उन्हें चैन की नींद नहीं आती।

राजद के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा है कि पटना में एयरपोर्ट मैनेजर रूपेश सिंह की हत्या सत्ता संरक्षित अपराधियों ने की है। उन्होंने कहा कि बिहार में अब अपराधी ही सरकार चला रहे हैं। रूपेश ने लिखा है कि रूपेश मिलनसार और मृदु स्वभाव के थे। उन्होंने एक और ट्वीट में कहा है कि अनैतिक और अवैध सरकार के संरक्षण में बिहार में अपराध और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। यह एनडीए सकार की सामूहिक विफलता है। उन्होंने कहा है कि नीतीशजी से अब बिहार संभल नहीं पा रहा है। उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। जदयू के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा है कि रूपेश सिंह की हत्या बहुत दुखद घटना है। वह बेहद मिलनसार आदमी थे। सरकार ऐसी घटना को चुनौती के रूप में देख रही है। पुलिस इस मामले में पूरी तत्परता से काम कर रही है। हत्यारे जल्द ही सलाखों के अंदर होंगे। वे चाहे जहां भी छिपे हों, उन्हें ढूंढ निकालकर सजा जरूर दिलाई जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद विवेक ठाकुर ने पटना में एयरपोर्ट अधिकारी की हत्या की घटना को लेकर बिहार पुलिस पर सवाल उठाया है। उन्होंने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि अगर बिहार पुलिस को इस केस में सफलता दूर लग रही हो तो केस को तत्काल सीबीआई को सौंप दिया जाए। बिहार कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मदन मोहन झा ने कहा है कि बिहार में अब कोई सुरक्षित नहीं है। पटना में एयरलाइंस अधिकारी की हत्या इस बात का प्रमाण है। उन्होंने मधुबनी में बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद आंखें फोड़ने की घटना पर कहा है कि मानवता शर्मसार हुई और सरकार हमेशा की तरह नतमस्तक दिख रही है।

यूपी को फर्स्ट फेस में 11 लाख कोरोना वैक्सीन, पहले नंबर पर नौ लाख हेल्थ वर्कर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मंगलवार को कोरोना के 1.6 लाख वैक्सीन की पहली खेप पहुंच गई है। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर पुणे से इंडिगो की फ्लाइट से आई इस वैक्सीन को स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने प्राप्त किया। यूपी को पहले चरण में 11 लाख टीके मिलेंगे। पहले चरण में प्रदेश में नौ लाख स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए जाएंगे। कोविन एप पर इन सभी का पंजीकरण कराया जा चुका है। 16 जनवरी से पूरे देश में टीकाकरण शुरू होगा। यूपी के सभी जिलों में 852 टीकाकरण केंद्रों पर वैक्सीन लगाई जाएगी।

लखनऊ पहुंचे वैक्सीन के कंटेनरों को यहां से कोल्ड चेन वैन से जगत नारायण रोड स्थित नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बने स्टेट वैक्सीन स्टोरेज सेंटर में रखा गया है। ये टीके लखनऊ मंडल के छह जिलों लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व उन्नाव में लगाए जाने के लिए आए हैं। अभी कोविशील्ड वैक्सीन आई है। जल्द कोवैक्सीन की खेप आने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने बताया कि बुधवार से लेकर तीन दिनों में बाकी टीकों की खेप भी आने की पूरी उम्मीद है।

हर दिन दो सत्रों में लगेंगे 100-100 टीके : पहले चरण में प्रदेश में नौ लाख स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए जाएंगे। कोविन एप पर इन सभी का पंजीकरण कराया जा चुका है। टीका लगाने के लिए 1500 केंद्रों पर 3,000 बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि हर दिन दो सत्रों में 100-100 टीके लगाए जाने का इंतजाम किया गया है। ऐसे में तीन दिन में स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण किया जा सकता है। हालांकि ये टीके की आ रही खेप पर निर्भर करेगा।

28वें दिन लगेगी दूसरी डोज : स्वास्थ्य कर्मियों के बाद 18 लाख फ्रंटलाइन वर्करों को टीका लगाया जाएगा। फिर 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को और इसके बाद 50 साल से कम उम्र के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा, जो गंभीर रोगों से ग्रस्त हैं। वैक्सीन की पहली डोज लगाए जाने के 28वें दिन दूसरी डोज लगाई जाएगी। टीका लगाए जाने के बाद हर लाभार्थी को एक कार्ड मिलेगा, उसमें कब और कितनी बजे दूसरी डोज लगाई जानी है, इसकी पूरी जानकारी होगी।

सोमवार व शुक्रवार को होगा टीकाकरण : कोरोना वैक्सीन लगाने की शुरुआत भले ही 16 जनवरी शनिवार को हो रही हो, लेकिन इसके बाद हर हफ्ते सोमवार व शुक्रवार को कोरोना का टीका अस्पतालों में लगाया जाएगा। सभी अस्पतालों को इसके लिए तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ.डीएस नेगी ने बताया कि टीकाकरण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

कोरोना वैक्सीन रखने को बनाए गए 1,298 केंद्र : प्रदेश में कोरोना वैक्सीन के लिए प्रदेश में नौ स्टेट वैक्सीन सेंटर बनाए गए हैं। इन सेंटरों से कोल्ड चेन वैन के माध्यम से प्रदेश में सभी जिलों में स्टॉक के लिए बनाए गए 1,298 केंद्रों पर वैक्सीन भेजे जाएंगे। यहां से वैक्सीन को अस्पतालों में पहुंचाया जाएगा।

टीका लगने के बाद आधा घंटा केंद्र पर रुकना होगा : कोरोना टीकाकरण के लिए लाभार्थियों को मोबाइल फोन पर एसएमएस भेजकर केंद्रों पर बुलाया जाएगा। केंद्र पर तीन कमरे होंगे। पहले कमरे में लाभार्थी का सत्यापन होगा, दूसरे में उसे कोरोना का टीका लगाया जाएगा।

फिर आब्जर्वेशन रूम में उसे आधा घंटा रोका जाएगा। यदि उसे कोई रिएक्शन होता है, तो वैक्सीन की शीशी को सील कर दिया जाएगा। केंद्र पर मौजूद एनाफाइलेक्सिस किट की मदद से उसे दुष्प्रभाव से बचाया जाएगा।

अयोध्या ढांचा ध्वंस केस के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई टली, हाई कोर्ट ने कहा- पहले दुरुस्त करें गलतियां

लखनऊ । अयोध्या के विवादित ढांचा ध्वंस मामले में सीबीआइ की स्पेशल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में दाखिल रिवीजन पिटीशन पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए टल गई है। बुधवार को सुनवाई के दौरान याचिका में कुछ दस्तावेजी त्रुटि होने के कारण न्यायमूर्ति राकेश श्रीवास्तव की एकल सदस्यीय पीठ ने मामले को दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। याचियों के अधिवक्ता को भी दस्तावेजी त्रुटि दूर करने को कहा है।

अयोध्या के विवादित ढांचा ध्वंस केस में पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवानी, यूपी के तत्कालीन सीएम कल्याण सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, विनय कटियार, साध्वी ऋतंभरा सहित 32 अभियुक्तों को सीबीआइ की विशेष अदालत ने 30 सितंबर, 2020 फैसला सुनाते हुए बरी कर दिया था। हाई कोर्ट में यह याचिका दाखिल कर इस फैसले को चुनौती दी गई है। याचिका अयोध्या निवासी 74 वर्षीय हाजी मुहम्मद अहमद और 81 वर्षीय सैयद अखलाक अहमद ने दायर किया है।

हाई कोर्ट में दाखिल याचिका में दोनों याचियों ने कहा कि वे इस केस में अभियुक्तों के खिलाफ गवाह थे और ध्वंस के बाद पीड़ित भी हुए थे। उनकी ओर से कहा गया है कि 30 सितंबर, 2020 के फैसले के खिलाफ सीबीआइ ने आज तक कोई अपील दाखिल नहीं किया है, लिहाजा रिवीजनकर्ताओं को आगे आना पड़ रहा है क्योंकि विचारण अदालत में फैसले में कई खामियां हैं। अयोध्या ढांचा ध्वंस प्रकरण की जांच सीबीआइ ने पूरी करके आरोपपत्र प्रेषित किया था, जिसके बाद लंबी कानूनी लड़ाई चली और फिर 30 सितंबर, 2020 को सीबीआइ के विशेष जज एसके यादव ने सभी जीवित 32 अभियुक्तों को बरी कर दिया था। रिवीजन याचियों ने अपनी याचिका में कहा है कि विचारण अदालत ने उसके सामने पेश सबूतों को ठीक से नहीं परखा और अभियुक्तों को रिहा कर दिया।

याचियों ने कहा कि विचारण सीबीआइ अदालत का फैसला तर्क संगत नहीं है। यहां तक कि उन्हें अपने वकील करने तक की अनुमति नहीं दी गई। रिवीजन याचियों ने मांग की कि विचारण अदालत से केस की पूरी पत्रावली मंगाकर 30 सितंबर, 2020 के फैसले को खारिज किया जाए और सभी अभियुक्तों को दोषी करार देकर उन्हें उचित सजा सुनाई जाए।

माफिया मुख्तार अंसारी को लेकर कांग्रेस की किरकिरी, ट्विटर पर टॉप ट्रेंड में मुख्तार पर मेहरबान प्रियंका

लखनऊ । गैंगस्टर से पॉलिटिशियन बने मऊ से बीएसपी विधायक मुख्तार अंसारी को कांग्रेस शासित पंजाब सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश की कोर्ट में पेशी की अनुमति नहीं देने को सोशल मीडिया पर कांग्रेस की किरकिरी हो रही है। ट्विटर पर कांग्रेस के साथ पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा को भी निशाना बनाया जा रहा है। मंगलवार को मुख्तार पर मेहरबान प्रियंका ट्विटर पर टॉप ट्रेंड में रहा। लोगों ने इस मुद्दे पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा को आड़े हाथों लिया। तीखे शब्दों में मुख्तार को राजनीतिक संरक्षण देने को लेकर तंज किया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक करीब 32 हजार ट्वीट्स हो चुके थे। ट्विटर मुख्तारड्डपरड्डमेहरबानड्डप्रियंका के साथ लोगों ने एक ओर जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सराहना की है तो वहीं मुख्तार अंसारी को बचाने की कोशिश के आरोप लगाकर पंजाब सरकार और कांग्रेस नेतृत्व की नीतियों की निंदा भी की।

बता दें कि कुख्यात मुख्तार अंसारी को लेकर उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के बीच ठन गई है। कई गंभीर मामलों का आरोपित मुख्तार अंसारी रंगदारी के एक मामले में पंजाब के रोपड़ जेल में बंद है। उत्तर प्रदेश पुलिस अब मुख्तार अंसारी को वापस यूपी लाना चाहती है। इसके लिए उत्तर प्रदेश पुलिस अदालत का नोटिस लेकर पंजाब पहुंची लेकिन निराशा हाथ लगी।

पंजाब पुलिस ने मुख्तार अंसारी की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर उसे सौंपने से इनकार कर दिया। पंजाब पुलिस की तरफ से कहा गया कि बीमारी के कारण मुख्तार अंसारी लंबा सफर नहीं कर सकता है। इसलिए उसे फिलहाल उत्तर प्रदेश नहीं भेजा जा सकता है। रोपड़ के जेल अधीक्षक ने इस मामले में यह भी कहा कि वह अपना जवाब कोर्ट में दाखिल करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने दो सप्ताह में मांगा जवाब - बता दें कि पंजाब की रोपड़ जेल में बंद बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी को उत्तर प्रदेश लाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर रोपड़ के जेल सुपरिटेंडेंट से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। इसके अलावा कोर्ट ने याचिका पर मुख्तार अंसारी को भी नोटिस जारी किया है। राज्य सरकार अंसारी के खिलाफ प्रदेश में लंबित मुकदमों में पेशी और सुनवाई के लिए उसे उत्तर प्रदेश लाना चाहती है। ये नोटिस न्यायमूर्ति अशोक भूषण, आर. सुभाष रेड्डी व एमआर शाह की पीठ ने प्रदेश सरकार की ओर से पेश वकील गरिमा प्रसाद को सुनने के बाद जारी किए।

बिहार में अपराध नियंत्रण का बीजेपी फॉर्मूला- अपराधियों का एनकाउंटर करे पुलिस, पप्पू यादव ने भी बताया जरूरी

पटना । बिहार में बीते कुछ समय के दौरान कई बड़ी वारदातें हुईं हैं। ताजा मामला पटना के सुरक्षित माने जाने वाले शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में इंडिगो एयरलाइंस के स्टेशन हेड रूपेश सिंह की मंगलवार की शाम हुई हत्या का है। इसपर बिहार में सियासी बयानबाजी तेज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में शामिल भारतीय जनता पार्टी के विधायक ने बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने के लिए उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ के एनकाउंटर मॉडल को अपनाने की मांग की है। इसके पहले जन अधिकार पार्टी के संरक्षक व पूर्व सांसद पप्पू यादव ने भी हत्याकांड को लेकर कानून-व्यवस्था का सवाल उठाते हुए कहा है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब पुलिस को खुली छूट दें और पुलिस अपराधियों का एनकाउंटर करे।

अपराध नियंत्रण को ले बीजेपी से एनकांउटर की उठी आवाज

पटना के भारतीय बीजेपी विधायक नितिन नवीन ने बुधवार को उस जगह का जायजा लिया, जहां रूपेश सिंह की हत्या की गई थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर अपराधी बेलगाम हो रहे हैं तो उनका एनकाउंटर करने में हर्ज नहीं है। अगर अपराधी भाग रहा हो तो उसका एनकाउंटर करना चाहिए। आप अपराधी को भागने नहीं दे सकते हैं। सरकार उत्तर प्रदेश का मॉडल अपना कर अपराध नियंत्रण कर सकती है। बीजेपी सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने भी कहा है कि अपराधियों को गोली मार देनी चाहिए।

इस बीच पप्पू यादव ने कहा है कि बिहार में अपराधी बेलगाम हो गए हैं। पटना में एक किलोमीटर के उस दायरे में, जिसमें सभी मंत्रालय हैं, के पास के सुरक्षित इलाके में सरेआम हत्या हुई और अपराधी फरार भी हो गए। ऐसी घटनाएं लगातार हो रहीं हैं। पप्पू यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अब अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को फ्री हैंड देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस भी अपराधियों का सीधे एनकाउंटर करे।

कानून-व्यवस्था के हालात को ले कटघरे में है राज्य सरकार-

विदित हो कि बिहार में बीते कुछ समय से कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष लगातार सत्ता पक्ष पर हमलावर है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेता भी कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते रहे हैं। रूपेश हत्याकांड पर भी बीजेपी सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल व विवेक ठाकुर तथा विधायक नितिन नवीन ने कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई है। बीजेपी की ओर से कुछ दिनों पहले फुल टाइम गृहमंत्री तक की मांग उठ चुकी है।

कानून-व्यवस्था की लगातार समीक्षा कर रहे सीएम नीतीश

विदित हो कि अभी गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ही पास है। खुद मुख्यमंत्री भी पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकें कर कानून-व्यवस्था की स्थिति की लगातार समीक्षा कर रहे हैं।

माघ मेला क्षेत्र में आधी-अधूरी तैयारियों के बीच मकर संक्रांति का स्नान कल

प्रयागराज । मकर संक्रांति का स्नान पर्व गुरुवार को है। यह प्रयागराज माघ मेला का प्रथम स?नान पर्व होगा। हालांकि माघ मेला की तैयारियां अभी भी पूरी नहीं हो सकी है। कहीं घाट नहीं बन सके हैं तो कहीं टेंट ही नहीं लगे। जो टेंट लगे भी उसमें सारी सुविधाएं नहीं मिली हैं। अभी कई संतों को जमीन का आवंटन भी बाकी है। कुछ संतों के बीच जमीन का विवाद भी चल रहा है। प्रयागवाल के तीर्थ पुरोहितों को जमीन का आवंटन भी नहीं हुआ है। ऐसे में माघ मेला के दौरान यहां बसने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोना वायरस संक्रमण काल में आयोजित होने वाले माघ मेले की तैयारी इस बार देर से शुरू हुई। पूरी व्यवस्था करने में मेला प्रशासन को समय कम था। इसके लिए शासन से निर्देश मिला था कि अतिरिक्त श्रमिक लगाकर मेले की तैयारी समय से पूरा कर लें। फिर भी तैयारी अधूरी ही है। मेला क्षेत्र का परेड ग्राउंड अभी पूरी तरह से खाली है। यहां पर दुकानें भी नहीं लगाई हैं। दुकानों के लिए जमीन का आवंटन आज किया जाएगा। ऐसे में स्नान पर्व के दिन दुकाने सजना मुश्किल है। झूला और मीना बाजार भी अब तक नहीं लगा है।

स्नान घाट के रूप में संगम नोज तो तैयार हो गया। हालांकि अन्य क्षेत्रों में जो घाट बनाए जा रहे थे, वह पूरी तरह अभी तैयार नहीं हैं। गंगा नदी पर पांच पांटून पुल आने-जाने के लिए बना दिए गए लेकिन सेक्टर 4-5 में सड़कें पूरी तरह दुरुस्त नहीं हुई हैं। स्नान पर्व को देखते हुए मेला प्रशासन ने रूट चार्ट तैयार कर लिया है। मेला क्षेत्र में भीड़ को आने से रोकने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। गेट के पास ही वाहनों की पार्किंग बनाकर वही रोका जाएगा। मेला क्षेत्र में केवल पैदल लोग ही जा सकेंगे।

बिना कल्पवासी सूना-सूना सा लग रहा मेला- माघ मेला में कल्पवासियों का आना 26-27 जनवरी से शुरू होगा। उनका कल्पवास 28 जनवरी से शुरू होगा। इसलिए मकर संक्रांति के स्नान पर्व पर बहुत कम कल्पवासी ही यहां आए हैं। जो कल्पवासी आए भी, उनको सुविधाएं नहीं मिली हैं। वह सुविधाओं के लिए मेला कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं।

कल्पवासियों की शिकायत है कि उनको यहां बसने के लिए सामान सही नहीं मिल रहा है। कल्पवासियों को सामान मुहैया कराने के लिए छह एजेंसियों को ठेका दिया गया है लेकिन उनके पास सामान पर्याप्त नहीं है। जो समान हैं, उसमें कुछ फटे-पुराने भी हैं। इससे कल्पवासियों में नाराजगी है।

बोले मेला अधिकारी- मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि मेला की तैयारी देर से शुरू हुई इसलिए कुछ कमियां रह गई है। मकर संक्रांति स्नान के बाद उसे ठीक कर लिया जाएगा।

69000 शिक्षक भर्ती में त्रुटियों की वजह से काउंसिलिंग से चुके 1300 अभ्यर्थी, जांच समिति गठित

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में 69000 सहायक अध्यापकों की भर्ती में आवेदन पत्र, शैक्षिक दस्तावेज, जाति व निवास प्रमाण पत्र में मानवीय त्रुटि के लगभग 1300 मामले शासन को प्राप्त हुए हैं। इनमें से लगभग 700 प्रकरण आवेदन पत्र में शैक्षिक अर्हता में प्राप्त वास्तविक अंक से अधिक या कम अंक भरने के हैं। इन मामलों के परीक्षण के लिए शासन स्तर पर समिति गठित की गई है। समिति इन मामलों पर विचार कर रही है। समिति की ओर से इस बारे में जल्दी निर्णय लिए जाने की संभावना है। 69000 शिक्षक भर्ती में शैक्षिक दस्तावेज, जाति व निवास प्रमाण पत्र में मानवीय त्रुटि के कारण जो अभ्यर्थी पहली और दूसरी काउंसिलिंग से वंचित रह गए थे, बेसिक शिक्षा विभाग ने उन्हें इन गलतियों को सुधारने का मौका देते हुए बीती चार दिसंबर को इस बारे में शासनादेश जारी किया था। शासनादेश में अभिलेखीय विसंगति को दूर करने के बारे में कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे।

कुछ खास तरह के मामलों में अभ्यर्थियों का चयन निरस्त करने के निर्देश दिए गए थे। इसके विरोध में अभ्यर्थियों ने राजधानी लखनऊ में बेसिक शिक्षा मंत्री का घेराव किया था। अभ्यर्थियों से मंत्री की वार्ता के बाद शासन ने त्रुटिपूर्ण आवेदन के ऐसे मामलों में जिला स्तर से निर्णय लिए जाने की बजाय उन्हें शासन को संदर्भित करने का निर्देश दिया था। पेचीदगियों भरे इन मामलों का शासन स्तर पर गठित कमेटी गहनता से परीक्षण कर रही है।

पटना में इंडिगो एयरलाइंस के स्टेशन हेड की गोली मारकर की हत्या, पुलिस दो संदिग्धों से कर रही पूछताछ

पटना । पटना में बेखौफ अपराधियों ने इंडिगो एयरलाइंस के स्टेशन हेड रुपेश सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। वे देर शाम पटना एयरपोर्ट से अपनी कार से घर लौट रहे थे कि शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के पुनाईचक में उनके अपार्टमेंट के सामने ही ताबड़तोड़ फायरिंग कर उन्हें मौत की नींद सुला दिया गया।

पुलिस ने वारदात तके सुपारी किलर के शामिल होने की आशंका जताई है। सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट हुआ है कि अपराधी 20 सेकेंड में ही वारदात को अंजाम देकर निकल गए। घटना के बाद पुलिस दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस बीच मृतक रूपेश सिंह की पत्नी की तबीयत बिगड़ गई है। उनका पटना के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अपार्टमेंट के सामने ही कर दिया छलनी- मंगलवार को बाइक सवार दो अपराधियों ने रूपेश सिंह को उनके अपार्टमेंट के सामने ही गोलियों से छलनी कर दिया। उस वक्त अपार्टमेंट का गार्ड वहां मौजूद नहीं था। गोली की आवाज सुनकर लोग दौड़े। उन्हें आनन-फानन में पारस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

रूपेश सिंह शास्त्रीनगर के पुनाईचक स्थित कुसुम विला अपार्टमेंट के रहते थे। सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट है कि अपराधियों को इस बात की जानकारी थी कि अपार्टमेंट के आगे रास्ता बंद है और ज्यादातर लोग घरों में ही रहते हैं। आशंका है कि वारदता में किसी ने लाइनर की भूमिका निभाई, जिसने शूटर को उनके आने-जाने के समय की

जानकारी भी दी। शूटर को पता था कि कार वे खुल चलाते है। दोनों अपराधी बाइक से ही कार तक पहुंचे और फायरिंग कर तेजी से बाइक मोड़ मुख्य मार्ग पर भीड़ के बीच आसानी से निकल भागे।

बंद मिले सीसीटीवी कैमरे, मौके पर नहीं था गार्ड- अपार्टमेंट में एक गार्ड है, जो घटना के वक्त मौजूद नहीं था। गार्ड मनोज कुमार ने बताया कि मंगलवार की सुबह उसके मित्र के घर किसी का देहांत हो गया था, जहां वह सुबह नौ बजे ही चला गया था। उसकी पत्नी अपार्टमेंट के नीचे ही थी। शाम साढ़े सात बजे वापस आने पर उसने भीड़ देखी। उसके अनुसार अपार्टमेंट के गेट पर लगे पांच कैमरे में एक भी काम नहीं करता है।

पत्नी के सामने ही फायरिंग कर हो गए फरार- रूपेश कुछ दिन पहले गोवा गए थे, जहां से वे रविवार की शाम में लौटे थे। मंगलवार की शाम रूपेश जैसे ही अपनी कार से अपार्टमेंट के गेट पर पहुंची, उनकी पत्नी भी नीचे आ रहीं थीं। इसी बीच फायरिंग होने लगी। वे जब तब वहां पहुंचीं, अपराधी फरार हो चुके थे और लहूलुहान रुपेश आगे की सीट पर पड़े थे। किसी तरह उन्हें उठाकर अस्पताल ले जाया गया। आसपास के लोगों ने बताया कि उन्होंने पांच से छह राउंड गोलीबारी की आवाज सुनी।

घटना की जांच के लिए एसआइटी का गठन- घटना से पुलिस महकमे में हड़कम्प मच गया है। आइजी संजय सिंह ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए स्पेशल टीम गठित कर दी है। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुट गई है। घटना के पीछे पुरानी दुश्मनी की आशंका व्यक्त की जा रही है। एसएसपी उपेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

हत्या में किसी हाईप्रोफाइल का हाथ होने की आशंका- बताया जा रहा है कि रूपेश पटना एयरपोर्ट के विमान संचालन समिति के अध्यक्ष थे। एयरपोर्ट पर विमानों के सुगम परिचालन के लिए विशेष रूप से बनाई गई यह कमेटी यात्री सुविधाओं को बहाल करने की अनुशंसा भी करती है। एयरपोर्ट पर पक्षियों से विमान के लैंडिंग में हो रही परेशानी को देखते हुए इस कमेटी की अनुशंसा पर एयरपोर्ट के चारों तरफ के पेड़ों की कटाई-छंटाई की गई थी। पुलिस घटना के पीछे इससे जुड़े कारण से भी इनकार नहीं कर रही है। पुरानी रंजिश की पड़ताल के लिए रूपेश के छपरा स्थित पैतृक गांव भी एक पुलिस टीम भेजी जा चुकी है। हत्या में शामिल दोनों शूटर के अलावा लाइनर की भी तलाश की जा रही है। पुलिस मान रही है कि हत्या में किसी हाईप्रोफाइल शातिर का हाथ हो सकता है।

मंत्री पटेल ने लगाई चौपाल, कृषि कानून किसानों के लिए वरदान

कृषि मंत्री ने किया साईखेड़ा में उपमंडी का लोकार्पण

भोपाल (एजेंसी)। नए कृषि कानूनों में मंडी बंद कर दिए जाने की अफवाहों के विपरीत किसान नेता एवं मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने बुधवार को कृषि उपज मंडी गाडरवारा की उप मंडी साईखेड़ा का लोकार्पण किया। तीस साल से इस क्षेत्र में मंडी की मांग की जा रही थी। कृषि मंत्री कमल पटेल ने इस मौके पर आयोजित चौपाल में किसान हितैषी योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

मंडी खुलने से खुश किसानों ने कृषि कानूनों के समर्थन में लगाए नारे

साईखेड़ा में मंडी के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, सांसद राव उदय प्रताप सिंह, भारतीय किसान संघ के प्रांत संगठन मंत्री महेश चौधरी, नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद थे। कृषि मंत्री कमल पटेल ने इस अवसर पर कहा कि क्षेत्र में 30 साल से मंडी की मांग हो रही थी जो अब पूरी हो रही है। इस मंडी का लोकार्पण ऐसे समय हो रहा है जब नए कृषि कानून में मंडी बंद होने की अफवाह फैलाकर किसानों को आंदोलन के लिए उकसाया जा रहा है।

मंडी के लोकार्पण अवसर पर आयोजित किसान चौपाल को संबोधित करते हुए कृषि कानूनों के फायदे बताए। कृषि मंत्री पटेल ने आजादी के बाद पहली बार छोटे किसानों के लिए सम्मान निधि शुरू करने पर प्रदेश के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। किसानों ने इस मौके पर हाथ उठाकर कृषि कानूनों के समर्थन में नारे लगाए और प्रधानमंत्री से कृषि कानूनों को जारी रखने की मांग की।

राज्य निर्वाचन आयुक्त बीपी सिंह ने दिए कलेक्टरों को निर्देश

मतदाता-सूची पुनरीक्षण में दावे-आपत्तियों की तारीख का हो व्यापक प्रचार-प्रसार

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन के लिए एक जनवरी, 2021 की संदर्भ तारीख के आधार पर फोटोयुक्त मतदाता-सूची के पुनरीक्षण का कार्य जारी है। मतदाता-सूची पर दावे-आपत्तियां प्राप्त करने के लिए निर्धारित अवधि 8 से 15 फरवरी का व्यापक प्रचार-प्रसार करवाया जाए, जिससे पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता-सूची में जुड़वा सकें।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने यह निर्देश जिला कलेक्टर्स को दिए। श्री सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी नगरीय निकाय एवं पंचायत निर्वाचन के संबंध में प्रदेश भर के कलेक्टरों से चर्चा कर रहे थे। मतदाता-सूची का अंतिम प्रकाशन तीन मार्च को होगा।

बुधवार को भोपाल में राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने नगरीय निकाय एवं पंचायत के चुनाव के संबन्ध में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर्स से चर्चा की।

निष्पक्ष होने के साथ ही निष्पक्ष दिखें भी

श्री सिंह ने कहा कि मतदाता-सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया की नियमित मॉनीटरिंग आयोग स्तर पर भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता-सूची बनाने का कार्य पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से करें। निष्पक्ष होने के साथ ही निष्पक्ष दिखें भी। श्री सिंह ने बताया कि मतदाता-सूची के प्रकाशन के बाद निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष और महापौर का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं द्वारा किया जायेगा। नगरीय निकाय चुनाव 2 चरण और पंचायत चुनाव तीन चरण में हो सकते हैं।

ईवीएम से होगा मतदान

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि नगरीय निकायों में महापौर, अध्यक्ष एवं पार्षद तथा पंचायत निर्वाचन में जिला पंचायत सदस्य और जनपद पंचायत सदस्य के लिये मतदान ईवीएम के माध्यम से होगा। सरपंच और पंच के लिये मतदान मत-पत्र एवं मत-पेटी के माध्यम से होगा। कोविड-19 के कारण मतदान के समय में एक घंटे की वृद्धि की जायेगी। मतदान सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों के आम निर्वाचन में व्यय लेखा पार्षदों के लिये भी लागू होगा। सभी अभ्यर्थियों को 30 दिन में व्यय-लेखा देना अनिवार्य होगा।

आईटी का करें समुचित उपयोग

उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में आई.टी. का समुचित उपयोग करें। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा आईईएमएस, चुनाव एप सहित अनेक आई.टी. टूल्स आपकी सुविधा के लिये बनाये गए हैं। उप सचिव अजीजा सरशार जफर ने पंचायत चुनाव, आईटी, उप सचिव सुतेश शाक्या ने प्रशिक्षण और प्रचार-प्रसार की गतिविधियां, अवर सचिव प्रदीप शुक्ला ने मतदाता-सूची बनाने की प्रक्रिया, अवर सचिव राजेश यादव ने वीडियोग्राफी तथा स्ट्रांग-रूम और मुख्य लेखाधिकारी सुजाता रघुवंशी ने वित्तीय प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दुर्ग विजय सिंह और आयोग की ओएसडी सुनीता त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोविड से मृत्यु पर मिलेंगे 30 लाख रुपए

नगरीय निकायों तथा त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन में लगने वाले पोलिंग अमले एवं ईवीएम मशीनों की एफएलसी के लिए नियुक्त इंजीनियरों की निर्वाचन ड्यूटी के दौरान कोविड-19 से मृत्यु पर 30 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति राशि दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सीएम 19 को वितरित करेंगे संबल योजना की राशि

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 19 जनवरी को संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि वितरण कार्यक्रम आपका संबल-आपकी सरकार में हितग्राहियों को सहायता राशि वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान संबल योजना के हितग्राहियों को 19 जनवरी को दोपहर तीन बजे मिंटो हॉल भोपाल में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण सिंगल क्लिक कर डीबीटी के माध्यम से करेंगे। हितलाभ वितरण के मुख्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण संपूर्ण मध्यप्रदेश में होगा। प्रदेश की सभी जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों में यह कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम के दौरान बड़वानी, उज्जैन, बैतूल और जबलपुर जिलों से एक-एक हितग्राही से मुख्यमंत्री श्री चौहान संवाद करेंगे।

राहुल सिंह बने मप्र वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के चेयरमैन

भोपाल । राज्य शासन ने बुधवार को दमोह जिले के राहुल सिंह को मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कार्पोरेशन का चेयरमैन नियुक्त किया है।

मंत्री पटेल कल करेंगे नल जल योजनाओं का भूमिपूजन

भोपाल । प्रदेश के पशुपालन मंत्री प्रेमसिंह पटेल शुक्रवार, 15 जनवरी को जल जीवन मिशन के तहत खरगौन और बड़वानी जिलों में नल कनेक्शन कार्य का भूमिपूजन करेंगे। श्री पटेल इस दिन ग्राम मौरानी, खड़की, मंदील, सनगाय, खजुरी, सांगवीठान, बकवाड़ी, निहाली और बासवी गांव में हर घर जल के तहत नल कनेक्शन कार्य का भूमिपूजन करेंगे। श्री पटेल इन गांव में किसानों और ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्या निवारण के भी प्रयास करेंगे। इस दौरान राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी और सांसद गजेंद्र सिंह पटेल भी साथ रहेंगे।

मंत्री पटेल ने संभाला निगम के अध्यक्ष पदभार

भोपाल । प्रदेश के पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने बुधवार को मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर प्रबंध संचालक राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम एचबीएस भदौरिया और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री कावरे ने की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा

भोपाल । प्रदेश के जल-संसाधन राज्य मंत्री रामकिशोर कावरे ने बुधवार को मंत्रालय में जल-संसाधन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने बालाघाट क्षेत्र की लंबित परियोजनाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री कावरे ने कहा कि परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आवश्यकताएं बताएं। शासन स्तर पर होने वाली कार्यवाही से भी अवगत करवाएं और सभी लंबित परियोजनाओं का पेपर वर्क पूर्ण करें। बैठक में जल-संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

हरियाणा विधानसभा की सरकारी उपक्रम समिति ने किया मप्र विधानसभा का भ्रमण

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में दो दिवसीय प्रवास पर आई हरियाणा विधान सभा की सरकारी उपक्रम समिति के अध्ययन दल के सदस्यों ने बुधवार को मध्यप्रदेश विधान सभा का भ्रमण किया तथा विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा एवं प्रमुख सचिव एपी सिंह से सौजन्य भेंट की।

प्रोटेम स्पीकर शर्मा ने किया अध्ययन दल के सदस्यों का स्वागत

विधान सभा के प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने हरियाणा विधानसभा की सरकारी उपक्रम समिति के सभापति एवं सदस्यों को नववर्ष की बधाई दी तथा उनका स्वागत किया। प्रारंभ में विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने हरियाणा विधान सभा की सरकारी उपक्रम समिति के सदस्यों को पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा विधानसभा की कार्य-प्रणाली से अवगत कराया। हरियाणा विधान सभा की समिति के अध्यक्ष अशीम गोयल ने समिति एवं विधानसभा की कार्य-प्रणाली से अवगत कराया। बैठक में हरियाणा विधानसभा की सरकारी उपक्रम समिति के सभापति अशीम गोयल, सदस्य राजेश नागर, कुलदीप वत्स, नीरज शर्मा एवं विधानसभा के अधिकारी उपस्थित थे।

सज्जन वर्मा ने दिया लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने पर अजीबो-गरीब तर्क

भोपाल । प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा ने लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 करने के विचार का विरोध करते हुए अजीबो-गरीब तर्क दिया है। उन्होंने कहा है कि 15 साल की उम्र में ही लड़कियां प्रजनन के लायक हो जाती हैं और 18 साल में परिपक्व हो जाती हैं तो शादी की उम्र 21 साल क्यों हो?

वर्मा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा और डॉक्टरों का हवाला देते हुए बच्चे पैदा करने लायक उम्र 15 बता डाला। उन्होंने कहा कि शादी की उम्र 18 साल है तो कौन सा बड़ा वैज्ञानिक या डॉक्टर हो गया शिवराज की शादी की उम्र 21 करेगा। डॉक्टरों की रिपोर्ट है यह कि बच्चियां 15 साल की उम्र में प्रजनन के उपयुक्त पाई जाती हैं, तो 18 साल में परिपक्व हो गई बच्ची, यह माना जाता है वैज्ञानिकों से, उसे रहना चाहिए। 21 साल का लॉजिक आप (पत्रकार) बता दो शिवराज की तरफ से।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि देश में लड़ कियों की शादी की उम्र 21 साल होनी चाहिए। इसे मुद्दा बनाकर बहस करनी चाहिए।

माफिया पर नकेल कसने में सरकार पूरी तरह विफल

श्री वर्मा ने प्रदेश में जहरीली शराब से हुई मौतों को लेकर प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि फिल्मी अंदाज में संवाद बोलने से सरकार नहीं चलती। माफिया पर नकेल कसने में सरकार पूरी तरह असपफल रही है। श्री वर्मा ने कहा कि आज मध्य प्रदेश के माथे पर 20 निर्दोष मौतों का दाग लगा है। जहरीली शराब माफिया प्रदेश की कानून व्यवस्था पर हावी है और सरकार केवल फिल्मी डायलॉग मारकर माफिया से लड़ने का स्वांग कर रही है। श्री वर्मा ने कहा कि जब कमलनाथ जी की सरकार को 22 मार्च को गिराया गया तब हमने आरोप लगाया था कि कमलनाथ सरकार को गिराने में माफियाओं का हाथ है। यह बात जल्द ही सच हो गई। सीधी में हुए कांड की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी लचर और दयनीय हो चुकी है कि सीधी में एक दिन निर्भया जैसा पाशिवक कांड होता है और दो दिन बाद ही खंडवा में अबोध बच्ची के साथ दुष्कर्म कर हत्या कर दी जाती है। जिस दिन गृहमंत्री दतिया जाते हैं, उसी दिन दिनदहाड़े लूट की वारदात हो जाती है। जनता को एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाना घेरना पड़ता है। यह मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था की वास्तविक स्थिति है। प्रदेश के मंत्रियों को जिलों का प्रभार न सौंपे जाने को लेकर भी पूर्व मंत्री ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा किया।

काम के लिए बाहर जाने वाले बेटा-बेटी गुम नहीं होने चाहिए

भोपाल (एजेंसी)। सोशल मीडिया में यह खबर प्रसारित हो रही है कि काम करने वाली हर महिला को पुलिस स्टेशन में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। सुरक्षा की खातिर पुलिस उनकी आवाजाही पर नजर रखेगी। महिलाओं को फिर से बेड़ियों में बांधा जा रहा है,जबकि वस्तुस्थिति है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदेश के बेटा-बेटियां गुम नहीं होना चाहिए। ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि रोजगार से संबंधित कार्य के लिए प्रदेश, जिले और ग्राम पंचायत से बाहर जाने वाले बेटा-बेटियों का पंजीयन किया जा सके। उनका मोबाइल नंबर पंजीबद्ध किया जाए।

गांव व जिले से बाहर जाने वाले बेटा-बेटियों का होगा पंजीयन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि काम के लिए ग्राम पंचायत से बाहर जाने वाले बेटा-बेटियों का पंजीयन ग्राम पंचायत में और प्रदेश के बाहर जाने वाले बेटे-बेटियों का पंजीयन जिला स्तर पर किया जा सके। इस कार्य में पुलिस विभाग मुख्य भूमिका में रहेगा। अन्य विभागों के समन्वय से यह कार्य किया जाएगा। ऐसी व्यवस्था इसलिए बनाई जाएगी ताकि जिले या प्रदेश के बाहर गए बेटा-बेटी किसी परेशानी में आएं तो उनकी त्वरित मदद की जा सके। बेटा-बेटी भी संपर्क कर अपनी परेशानी से पुलिस या संबंधित विभाग को अवगत करा सकें। गुमशुदगी की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

मोटर व्हीकल एक्ट 2019 को अमल में लाएं : मित्रा

भोपाल (एजेंसी)। मोटर व्हीकल एक्ट 2019 का सख्ती से पालन कराने पर निश्चित ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य संजय मित्रा ने रोडमैप टू रोड शेफ्टी-राइट्स एंड डयूटीज विषय पर आयोजित छह दिवसीय ऑनलाईन कार्यशाला के तीसरे दिन संबोधित करते हुए यह बात कही। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (पीटीआरआई) डीसी सागर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की जांच में फॉरेंसिक जांच एवं उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाना जरूरी है।

आनलाइन वर्कशाप को सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य ने किया संबोधित

वर्कशाप को संबोधित करते हुए श्री मित्रा ने कहा कि संशोधित अधिनियम-2019 के परिपालन से लोगों में यातायात नियमों के प्रति अनुशासन आता है। उन्होंने तमिलनाडु एवं तेलंगाना का उदाहरण देते हुए बताया कि इस एक्ट के पालन से राज्यों में न केवल सड़क दुर्घटनाओं में बल्कि दुर्घटना में मृतकों की संख्या में भी कमी आई है। उन्होंने ट्रेफिक नियमों के आदतन उल्लंघनकर्ताओं का डाटाबेस भी तैयार करने को कहा। श्री मित्रा ने कहा कि ब्लेक स्पॉटस के चिन्हांकन के उपरांत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को बनाना जरूरी है।

सड़क दुर्घटना की जांच में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करें : एडीजी सागर

एडीजी श्री सागर ने वर्कशॉप के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में पुलिस द्वारा की जाने वाली जांच में फोरेंसिक साइंस एवं अन्य उन्नत टेक्नॉलॉजी का उपयोग ज्यादा से ज्यादा किया जाना चाहिए। इससे दुर्घटना के आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य प्रस्तुत कर पीड़ितों को न्याय सहजता पूर्वक दिलाया जा सकेगा। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों एवं सड़क सुरक्षा से जुड़ी हुई सभी नोडल एजेंसियों को ब्लेक स्पॉट्स के चिन्हांकन एवं उन स्थानों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेक्टीफिकिशन के कार्य को शीघ्रतापूर्वक करने के लिए कहा। श्री सागर ने क्रेश इन्वेस्टिगेशन और पुलिस इन्वेस्टिगेशन में अंतर समझाया। ऑनलाइन वर्कशॉप में प्रदेश के विभिन्न जिलों के सभी पुलिस अधिकारी और नोडल एजेंसियों के अधिकारी सम्मिलित हुए।

राज्यमंत्री परमार ने किया उमंग किशोर हेल्पलाइन की वीडियो फिल्म का विमोचन

उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों और शिक्षकों को किया सम्मानित

भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग की उमंग किशोर हेल्पलाइन ने मध्य प्रदेश के विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोरोना संकट काल के दौरान विद्यार्थियों को शैक्षणिक कठिनाइयों के साथ-साथ व्यक्तिगत, सामाजिक और मानसिक तनाव को दूर करने में यह हेल्पलाइन मददगार रही है।

यह बात स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इंदर सिंह परमार ने बुधवार को मंत्रालय में उमंग कौशल शिक्षा कार्यक्रम एवं हेल्पलाइन की प्रथम वर्षगांठ पर निर्मित वीडियो फिल्म के विमोचन के दौरान कही। श्री परमार ने राज्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को ट्रॉफी और शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित भी किया।

श्री परमार ने कहा उमंग किशोर हेल्पलाइन के पिछले एक वर्ष के प्रयासों से विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत जीवन में आने वाली अन्य कठिनाइयों से लड़ने में मदद मिली है। यह उन्हें गलत राह पर जाने से और गलत कदम उठाने से रोकने में मदद करेगी। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान देने के लिए विभाग के प्रयास प्रशंसनीय हैं। उमंग किशोर हेल्पलाइन में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों को श्री परमार ने ट्रॉफी से सम्मानित किया। इन पांच जिलों में ग्वालियर, होशंगाबाद, रतलाम, छतरपुर और सिवनी शामिल हैं। इसके साथ ही श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 37 शिक्षकों को भी प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

उमंग किशोर हेल्पलाइन -टोल फ्री नंबर 14425

आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत ने बताया कि वर्ष 2017 से मध्यप्रदेश में कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम उमंग को प्रारंभ किया गया है। इसी के अंतर्गत राज्य स्तर पर आधुनिक सुविधाओं के साथ भोपाल में एक टेली काउंसलिंग केंद्र स्थापित किया गया है। इसकी शुरुआत पिछले वर्ष 13 जनवरी को एक टोल फ्री नंबर 14425 के साथ की गई थी। इस केंद्र से मध्यप्रदेश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को योग्य परामर्शदाताओं के माध्यम से टेली काउंसलिंग सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष एवं बीजीएमएस के सहयोग से पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है।

कोरोना काल में हेल्पलाइन बनी मददगार

कोरोना संकटकाल के दौरान जब प्रदेश के सभी विद्यालय बंद थे, तब ऐसी परिस्थितियों में भी उमंग किशोर हेल्पलाइन सेवाओं को जारी रखा गया था। पिछले एक वर्ष में इस हेल्पलाइन पर लगभग 67 हज़ार से अधिक कॉल आए हैं। छात्रों द्वारा किए गए कॉल्स में मुख्यत- अकादमिक, कैरियर, किशोरावस्था, कोविड-19 सपोर्ट, मानसिक स्वास्थ्य, रिलेशनशिप, नशे की लत, हिंसा, आत्महत्या, बाल विवाह आदि से संबंधित हैं। राज्य स्तरीय प्रशिक्षित परामर्श दाताओं द्वारा इन सभी को आवश्यक परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उमंग किशोर हेल्पलाइन की टेली काउंसलिंग सेवाएं, प्रत्येक सप्ताह सोमवार से शनिवार तक प्रात: 8 बजे से रात 8 बजे तक नि:शुल्क प्रदान की जा रही हैं। इस वेबिनार कार्यक्रम में आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत, अपर संचालक डॉ. कामना आचार्य सहित संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तापसी पन्नू

इस वजह से हो रही हैं TROLL, कंगना रनौत ने भी ट्वीट कर लिए मजे

तापसी पन्नू (Taapsee Pannu) इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म रश्मि रॉकेट'(Rashmi Rocket) की शूटिंग में काफी बिजी चल रही हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू (Taapsee Pannu) इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म रश्मि रॉकेट(Rashmi Rocket) की शूटिंग में काफी बिजी चल रही हैं. तापसी अपने कमाल के रोल और उससे भी ज्यादा अपनी एक्टिंग के लिए चर्चा में रहती हैं. गंभीर से लेकर फनी किरदारों में भी वो बिल्कुल फिट बैठती हैं. वहीं, इस वक्त एक तस्वीर की वजह से तापसी पन्नू को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है.

इतना ही नहीं, तापसी पन्नू को ट्रोल करने वालों में बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत का नाम भी शामिल हो गया है. दरअसल, यह पूरा मामला ही तापसी और कंगना से ही जुड़ा है. हुआ कुछ यूं कि 8 जनवरी को तापसी पन्नू ने एली (ELLE) द्वारा किए गए अपने फोटोशूट की कुछ तस्वीरों को अपने ट्विटर पर रीट्वीट किया, जिसमें से एक तस्वीर को लोगों ने कंगना रनौत की कॉपी बताया.

एक यूजर ने तापसी पन्नू की तस्वीर को कंगना की एक तस्वीर के साथ ट्वीट करते हुए लिखा, तापसी ने हजार बार कंगना की कॉपी की है. इसके बाद ही अन्य लोगों ने तापसी को इस मामले में घेरना शुरू कर दिया.

उसके बाद कंगना रनौत भी इसमें कूद पड़ीं और इस मामले में एक ट्वीट करते हुए मजे लिए. कंगना ने ट्वीट करते हुए लिखा, हाहाहा मैं बहुत खुश हुई, उसका पूरा अस्तित्व मुझे स्टडी करने और कॉपी करने में है. यह काफी प्रभावित करने वाला है. इसके अलावा कोई फीमेल सुपरस्टार पॉप कल्चर को मेरी तरह आगे लेकर नहीं गई है. मिस्टर बच्चन के बाद सबसे ज्यादा मेरी नकल की जाती है.

शहनाज गिल से फैन ने कहा, आपके चेहरे पर हैं झुर्रियां, जानें- एक्ट्रेस ने दिया क्या जवाब

एक्ट्रेस शहनाज गिल अकसर इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में वह इंस्टाग्राम लाइव थीं और इस दौरान एक मजेदार वाकया हुआ। फैन्स से बातचीत के दौरान एक यूजर ने कॉमेंट में शहनाज गिल को लिखा, आपके चेहरे पर झुर्रियां दिख रही हैं। इस पर शहनाज गिल ने जवाब देते हुए कहा कि इसकी वजह यह है कि उनका मेकअप सही नहीं था। शहनाज गिल ने एक फैन का कॉमेंट पढ़ते हुए कहा, किसी ने लिखा बहुत रिंकल्स दिख रहे हैं। इस पर जवाब देते हुए शहनाज ने कहा कि उनके मेकअप में थोड़ा उतार-चढ़ाव है, जिसके चलते ऐसा लग रहा है कि उनके चेहरे पर झुर्रियां पड़ी हैं।

शहनाज गिल ने मजाकिया अंदाज में कहा, पता ही नहीं है तुम लोगों को कुछ। रिंकल्स नहीं है यह। मेरा मेकअप थोड़ा ऊपर चला गया है, हंस-हंस के। थोड़ा टचअप करूंगी तो फिर ठीक हो जाएगा। इससे पहले शहनाज गिल ने लाइव सेशन में बताया कि उन्होंने आज अपना मेकअप खुद ही किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि वह नहीं जानती हैं कि कैसे आईलाइनर लगाया जाता है। मैंने ट्यूटोरियल्स देखकर सीखा था। इसके साथ ही अनुष्का शर्मा ने एक और फैन के कॉमेंट पर रिएक्ट किया, जिसने कहा था कि मेकअप की बजाय नेचुरल ब्यूटी ही अच्छी है। शहनाज गिल ने कहा, नेचुरल ब्यूटी अच्छी है। मैं नहीं बोलती कि मैं अच्छी नहीं हूं। मैं बहुत सुंदर हूं। मैं खुद बोलती हूं यह बात। सुंदर न होती तो फिर आर्टिस्ट न होती। हालांकि उन्होंने कहा कि किसी भी एक्ट्रेस के लिए यह मेकअप करना और अलग-अलग लुक ट्राई करना जरूरी है।

बिग बॉस सीजन में 13 हिस्सा लेने के बाद से शहनाज गिल काफी चर्चित हुई हैं। इस शो में वह दूसरे नंबर पर थीं। इसके अलावा वह कुर्ता पायजामा, वादा है और शोना शोना जैसे कुछ म्यूजिक वीडियोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। शहनाज गिल सोशल मीडिया पर भी काफी पॉप्युलर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 6 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

अनीता हसनंदानी ने कराया प्रेग्नेंसी फोटोशूट, बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए पति रोहित संग शेयर किए रोमांटिक पल

टीवी एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी जल्द ही मां बनने वाली हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर अनीता ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह पति रोहित रेड्डी के साथ रोमांटिक पोज देती नजर आईं। साथ ही बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखाई दीं। अनीता अपना प्रेग्नेंसी पीरियड एंजॉय कर रही हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी वीडियोज शेयर करती हैं।

अनीता के इस प्रेग्नेंसी फोटोशूट के फोटोज आने अभी बाकी हैं, लेकिन फैन्स का मनोरंजन करने के लिए उन्होंने मजेदार वीडियो शेयर किया है। अनीता ने वीडियो में व्हाइट आउटफिट पहना हुआ है। बालों में फूल लगाए हुए हैं। वीडियो शेयर करते हुए अनीता ने लिखा, बेबी और होने वाले बेबी के साथ शूटिंग करते हुए।

इस उम्र में मां बनने पर अनीता ने कही थी यह बात

अनीता ने 39 की उम्र में मां बनने पर कहा था, मेरे दिमाग में कभी उम्र को लेकर बात नहीं आई। कई लोगों ने मुझसे कहा कि यह बहुत ही मुश्किल होगा, लेकिन जैसे ही मैंने नैचुरल तरीके से कन्सीव किया तो मुझे अहसास हुआ कि उम्र तो बस एक नंबर है।

अनीता ने बताया था, आपको बस मेंटली और फिजिकली फिट होना चाहिए। जो नसीब में लिखा होता है, वह तो होता ही है। आज मैं और रोहित मेंटली और आर्थिक रूप से सेटल हैं, इसलिए हम बच्चे के लिए तैयार हो गए।

अनीता से जब पूछा गया था कि इस खबर को सुनने के बाद उनके परिवार का कैसा रिएक्शन था? तो उन्होंने कहा था, वे सभी इमोशनल हो गए और साथ ही खुश भी। उनके मिक्स्ड इमोशन्स थे, लेकिन खुश ज्यादा थे।

श्रीराम राघवन की अगली फिल्म में नजर आएंगी कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति!

अंधाधुन फिल्म के डायरेक्टर श्रीराम राघवन (Sriram Raghavan) अपनी बेहतरीन और हिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. इंडस्ट्री में उनकी निर्देशन के सब कायल हैं. कुछ दिन पहले खबर आई थी कि वो कंधार कांड पर वेब सीरीज बनाने वाले हैं जिसको लेकर रिसर्च का काम जारी है. अब श्रीराम राघवन से जुड़ी जो बड़ी खबर सामने आ रही है वो ये है कि उनकी अगली फिल्म में कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) और विजय सेतुपति (Vijay Setupati) नजर आएंगे.

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार विजय सेतुपति श्रीराम राघवन की इस फिल्म में लीड रोल में नजर आने वाले हैं. इससे पहले राघवन ने ये जानकारी दी थी कि वरुण धवन स्टारर फिल्म इक्कीस की शूटिंग को कोरोना के कारण रोकना पड़ा था.

ये पहली बार है जब साउथ के दिग्गज एक्टर विजय सेतुपति और कैटरीना कैफ एक साथ दिखाई देंगे. इक्कीस की शूटिंग टल जाने के बाद श्रीराम राघवन अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. अभी तक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी और कोई जानकारी सामने नहीं आई है. सिर्फ इस प्रोजेक्ट के कास्ट के बारे में पता चला है.

इस बीच कैटरीना कैफ सूर्यवंशी की रिलीज का वेट कर रही हैं जिसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आने वाली हैं. इसके साथ ही वो ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी की फोन बूथ के लिए भी तैयारियां शुरु कर चुकी हैं. इसके बाद वो निर्देशक अली अब्बास जाहर के द्वारा बनाई जाने वाली सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग शुरु करेंगी.

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका की टीम का ऐलान

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज होने जा रही है। इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम का ऐलान किया है। गुरुवार से शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच से पहले श्रीलंका क्रिकेट ने 22 सदस्यीय टीम का चुनाव किया है। अनुभवी बल्लेबाज एंजलो मैथ्यूज, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका की अपने हालिया दौरे से चूक गए थे, गुरुवार से इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की घरेलू सीरीज के लिए टेस्ट में वापसी कर रहे हैं। 33 वर्षीय पूर्व कप्तान एंजलो मैथ्यूज को इस सीरीज के लिए श्रीलंका के 22 सदस्यीय टीम में नामित किया गया था, जिसे मार्च में स्थगित कर दिया गया था, क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण इंग्लैंड की टीम स्वदेश लौट गई थी और अब यह बिना प्रशंसकों के गाले में खेला जाएगा। आइसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत पहला मैच 14 से 18 जनवरी से खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट मैच दोनों टीमों के बीच 22 से 26 जनवरी के बीच खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका में दो बड़ी हार के दौरान श्रीलंका को चोटों का सामना करना पड़ा और दिमुथ करुणारत्ने की कप्तानी में अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल, तेज गेंदबाज सुरंगा लकमल और लाहिरु कुमारा इंग्लैंड के खिलाफ वापसी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में चोटिल होने के बाद बल्लेबाज धनंजया डी सिल्वा और तेज गेंदबाज कसुन रजिता दोनों को इंग्लैंड के खिलाफ बाहर किया गया है।

श्रीलंका की टेस्ट टीम इस प्रकार है

दिमुथ करुणारत्ने (कप्तान), कुसल परेरा, दिनेश चांदीमल, कुसल मेंडिस, एंजलो मैथ्यूज, ओशाडा फर्नांडो, निरोशन डिकवेला, मिनोद भनुका, लाहिरु थिरिमाने, लसिथ एम्बुलडेनिया, वनिंदु हसरंगा, दिलरुवान परेरा, सुरंगा लकमल, लाहिरु कुमारा, विश्वा फर्नांडो, दुशमांता चमीरा, दसुन शनाका, असिता फर्नांडो, रोशन सिल्वा, लक्षन संदाकन, नुवान प्रदीप और रमेश मेंडिस।

कश्यप पहले दौर में हुए रिटायर

बैंकाक, एजेंसी। कोरोना संक्रमण के संदेह से बाहर निकलने के बाद थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में खेलने उतरे भारत के परुपल्ली कश्यप बुधवार को पहले ही दौर में रिटायर होकर बाहर हो गए। कश्यप ने पहले दौर में कनाडा के जैसन एंथनी हो-शुई के खिलाफ निर्णायक गेम में जब मैच छोड़ा तब कनाडाई खिलाड़ी 56 मिनट में 21-9, 13-21, 14-8 से आगे थे। पुरुष युगल में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में बी सुमीत रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी भी पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी पीवी सिंधू कल एकल के पहले दौर में बाहर हो गयी थीं। पुरुष युगल में सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने जीत के साथ शुरूआत कर दूसरे दौर में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने कोरियाई जोड़ी किम जी जुंग और ली योंग देई को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 21-16, 21-14 से हराया।

कतर विश्व कप हर लिहाज से शानदार होगा : फालर

दोहा, एजेंसी। लिवरपूल के पूर्व स्ट्राइकर रोबी फालर फुटबाल के उन सितारों में से एक हैं, जो कतर में साल 2022 में होने वाले फीफा विश्व कप का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उनका मानना है कि कतर विश्व कप हर लिहाज से शानदार और जानदार होगा। कतर ने एशिया में दूसरी बार और मध्य-पूर्व में पहली बार होने जा रहे इस आयोजन के लिए अत्याधुनिक तकनीक और विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस शानदार स्टेडियम तैयार किए हैं, जो अभी से ही फुटबाल प्रेमियों को आकर्षित करने लगे हैं। कतर ने विश्व कप के लिए आठ स्टेडियम तैयार करने की प्लानिंग की थी और इनमें से चार का उद्घाटन भी किया जा चुका है। शेष पर तेजी से काम जारी है। इन स्टेडियमों के माध्यम से कतर प्रशंसकों के लिए शानदार अनुभव का वादा कर रहा है। रोचक बात यह है कि 2022 विश्व कप कतर कोरोना महामारी के बाद आयोजित होने वाले प्रमुख खेल आयोजनों में से एक होगा। कतर विश्व कप कई लिहाज से अनूठा और अद्वितीय होगा और फालर भी मानते हैं कि यह खिलाड़ियों और फैन्स के लिहाज से एक शानदार आयोजन होगा। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एससी ईस्ट बंगाल को कोचिंग दे रहे फालर ने कहा, मैं असल में मानता हूं कि कतर में होने वाला विश्व कप शानदार होगा। हमेशा से ही कतर के कई आलोचक रहे हैं, लेकिन फालर मानते हैं कि मध्य पूर्व का यह देश दो साल से भी कम समय में होने वाले विश्व कप का शानदार आयोजन कर अपने सभी आलोचकों को चुप करा देगा। फालर ने कहा, हर किसी की निगाह उन पर है। लोग चाहेंगे कि वे नाकाम हों लेकिन मैं नहीं मानता कि वे नाकाम होंगे। मैं समझता हूं कि वे एक महान आयोजन करेंगे और इस विश्व कप को एक न भूलने वाले अनुभव बनाएंगे। साथ ही वे कई लोगों को गलत साबित करेंगे। इंग्लैंड के 26 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले लिवरपूल एफसी के महान खिलाड़ी फालर विश्व कप के रोमांच और इसकी चकाचौंध से अपरिचित नहीं हैं। वह साल 2002 में एशिया में पहली बार आयोजित फीफा विश्व कप में इंग्लिश टीम का हिस्सा थे, जो क्वार्टरफाइनल में पहुंचने में सफल रही थी।

संक्षिप्त खबरें

एनबीए, यूनियन ने कड़े किये कोरोना प्रोटोकॉल, कई और मैच स्थगित

वाशिंगटन, एजेंसी। कई और टीमों में कोरोना संक्रमण के मामले पाये जाने और पांच मैचों के रद्द होने के बाद एनबीए और नेशनल बास्केटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन ने सत्र को सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिये अतिरिक्त नियम लागू कर दिये हैं। लीग और यूनियन ने कहा कि अगले दो सप्ताह तक घर में होने पर खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने घरों में और खेलने के दिनों में होटल के भीतर ही रहना होगा। एनबीए टीमों ने नवंबर के आखिर से कोरोना जांच शुरु कर दी थी और 48 खिलाड़ी पॉजिटिव पाये गए। पिछले चार सप्ताह में सात खिलाड़ी पॉजिटिव पाये गए हैं। नये नियमों के तहत मैच से पहले लॉकर रूम में कोई बैठक दस मिनट से अधिक समय की नहीं होगी और इसमें भाग लेने वाले सभी लोगों को मास्क पहनना होगा। इसके अलावा कोर्ट पर भी खिलाड़ियों को अपने साथियों से शारीरिक संपर्क से बचना होगा। कोहनी टकराकर ही काम चलाना होगा। इसके साथ ही खिलाड़ी के गेम से बाहर होने पर वह बिना मास्क के कूल डाउन कुर्सी पर बैठ सकत है लेकिन अपनी निर्धारित सीट पर बैठने पर मास्क लगाना होगा। मंगलवार को टीमों से मिली जानकारी के अनुसार कम से कम 36 खिलाड़ी कोरोना संक्रमण या प्रोटोकॉल से जुड़े मसलों से जूझ रहे हैं।

मशहूर खेल विज्ञान विशेषज्ञ भारत में तैराकी शिविर का संचालन करेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। मशहूर फिजियोलॉजिस्ट और खेल विज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर जी सोकोलोवास बेंगलुरू सीएसई में 11 जनवरी से 21 फरवरी तक राष्ट्रीय तैराकी शिविर का संचालन करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण ने बुधवार को यह जानकारी दी। सोकोलोवास के मार्गदर्शन से श्रीहरि नटराज, कुशाग्र रावत, मिहिर आंब्रे जैसे टॉप्स में शामिल उदीयमान तैराकों और सीनियर तैराकों को तैयारी में मदद मिलेगी। सोकोलोवास अमेरिकी तैराकी महासंघ में फिजियोलॉजी और खेल विज्ञान विभाग के आठ साल तक प्रमुख रहे। साइ ने कहा, उन्होंने अपनी रिसर्च तैयार करने में 28 बार के ओलंपिक पदक विजेता माइकल फेल्प्स समेत शीर्ष तैराकों से सलाह ली है। भारतीय तैराकी महासंघ के महासचिव मोनल चोकशी ने कहा,मैं डॉक्टर जी सोकोलोवास को भारत लाने के एसएफआई के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिये साइ को धन्यवाद देता हूं। उनके दौरे से 2024 और 2028 ओलंपिक की तैयारी कर रहे हमारे तैराकों को काफी मदद मिलेगी। उनकी यात्रा का खर्च आठ लाख 78 हजार रुपए है जो टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से दिया जायेगा। इसमें हवाई किराया, रहने खाने का खर्च, वीजा, यातायात और पेशेवर शुल्क शामिल है।

प्रीमियर लीग : यूनाइटेड ने बर्नले को हराया

बर्नले, एजेंसी। पॉल पोग्बा के गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बर्नले को 1.0 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। सत्र के इस चरण में पिछले आठ साल में पहली बार शीर्ष पर पहुंचने के लिये यूनाइटेड को एक अंक की जरूरत थी। पोग्बा ने मार्कस रशफोर्ड के क्रास पर 71वें मिनट में यह गोल किया। इस जीत से यूनाइटेड की लीवरपूल पर तीन अंक की बढ़त हो गई है। दोनों का सामना रविवार को होगा।

स्पेनिश लीग : एटलेटिको ने सेविला को 2 . 0 से हराकर बढ़त बनाई

मैड्रिड, एजेंसी। एंजेल कोरिया और साउल निगुएज के गोलों के दम पर एटलेटिको मैड्रिड ने सेविला को 2.0 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल में अपनी बढ़त मजबूत कर ली। एटलेटिको के अब दूसरे स्थान पर काबिज रीयाल मैड्रिड से चार अंक अधिक है और उसे दो मैच और खेलने हैं। यह उसकी लगातार पांचवीं जीत थी। कोपा डेल रे में तीसरी श्रेणी के क्लब कोरनेला के हाथों हारकर बाहर होने के बाद उसने शानदार वापसी की है। एक अन्य मैच में ग्रेनाडा ने ओसासुना को 2.0 से हराया।

पुकोवस्की के फिट नहीं होने पर हैरिस खेलेंगे ब्रिसबेन टेस्ट : लैंगर

ब्रिसबेन, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने बुधवार को कहा कि सलामी बल्लेबाज विल पुकोवस्की के फिट नहीं होने पर शुक्रवार से शुरू हो रहे चौथे और आखिरी टेस्ट में मार्कस हैरिस खेलेंगे। पुकोवस्की को सिडनी टेस्ट के दौरान डाइव लगाकर गेंद रोकते हुए चोट लगी जो उनका पहला टेस्ट भी था। लैंगर ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, विल के कंधे में पहले से सूजन थी। वह उस दिन के खेल के बाद स्कैन कराने ही वाला था। देखते हैं कि क्या होता है। वह नहीं खेल सका तो मार्कस हैरिस पारी की शुरूआत करेगा। उन्होंने हालांकि पुकोवस्की के फिट होने की उम्मीद जताते हुए कहा, वह युवा है और पहला टेस्ट ही खेला है ।मानसिक रूप से थका हुआ होगा। आज उसकी स्थिति पर हम नजर रखेंगे । उम्मीद है कि वह फिट हो जायेगा और खेलेगा।

ब्रिस्बेन में भारत को बदलना होगा अपना इतिहास

दोनों देशों के बीच ब्रिस्बेन में 15 जनवरी से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा और निर्णायक टेस्ट मैच

ब्रिस्बेन, एजेंसी। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीतनी है तो उसे ब्रिस्बेन मैदान में अपना इतिहास बदलना होगा। इस मैदान पर भारत कभी टेस्ट मैच नहीं जीत पाया है। दोनों देशों के बीच ब्रिस्बेन में 15 जनवरी से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा और निर्णायक टेस्ट मैच होने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में पहला टेस्ट आठ विकेट से जीता था जबकि मेलबोर्न में भारत ने आठ विकेट से जीत हासिल कर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल की थी। सिडनी में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रा रहा था और अब सीरीज का फैसला ब्रिस्बेन में होने जा रहा है। यदि भारत ब्रिस्बेन टेस्ट को जीतता है या ड्रा खेलता है तो वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखेगा क्योंकि भारत ने 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया से पिछली सीरीज 2-1 से जीती थी। ब्रिस्बेन का मैदान ऑस्ट्रेलिया का अजेय किला माना जाता है जहां उसने पिछले 33 वर्षों में कभी हार का सामना नहीं किया है और वह इस मैदान पर भारत से कभी नहीं हारा है। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन में पिछले सात टेस्ट लगातार जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया को ब्रिस्बेन में आखिरी बार हार नवम्बर 1988 में मिली थी जब उसे वेस्ट इंडीज ने नौ विकेट से हराया था। ब्रिस्बेन में टेस्ट क्रिकेट की शुरूआत नवम्बर-दिसम्बर 1931 से हुई थी और भारत ने इस मैदान पर अपना पहला टेस्ट नवम्बर-दिसम्बर 1947 में खेला था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने पारी और 226 रन से जीत हासिल की थी। भारत ने इसके बाद जनवरी 1968 में टेस्ट मैच 39 रन से गंवाया। दिसम्बर 1977 में भारत को ब्रिस्बेन में 16 रन से नजदीकी हार का सामना करना पड़ा। नवम्बर-दिसम्बर 1991 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को ब्रिस्बेन में 10 विकेट से हराया जबकि दिसम्बर 2003 में खेला गया टेस्ट मैच ड्रा रहा। दिसम्बर 2014 में खेले गए टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को चार विकेट से पराजित किया। इस मैदान पर खेले गए आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को नवम्बर 2019 में पारी और पांच रन से हराया।

सिडनी के ड्रा टेस्ट में रहा था एक अंक का दिलचस्प संजोग

बेंगलुरु,एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में ड्रा समाप्त हुए तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अंक का काफी दिलचस्प संजोग रहा था। बेंगलुरु के आंकड़ेविद श्रीकांत पोद्दार ने एक अंक के इस दिलचस्प संजोग की जानकारी देते हुए बताया कि 21वीं सदी के 21वें साल में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह पहला मैच था और दोनों टीमें सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद इस मैच में उतरी थीं। दोनों टीमों के बीच यह 101वां टेस्ट था। उन्होंने बताया कि पहले दिन के खेल में बारिश की बाधा के कारण तीन बार खेल रुका और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 21, 91 और 166 था यानी तीनों संख्या में एक अंक शामिल था।

श्रीकांत की नाक से खून बहने के बाद थाईलैंड ओपन के आयोजकों से बात कर रहा है बीडब्ल्यूएफ

बैंकॉक, एजेंसी। बैडमिंटन विश्व महासंघ ने बुधवार को कहा कि थाईलैंड ओपन के दौरान कोरोना जांच सुविधाजनक ढंग से सुनिश्चित करने के लिये वह आयोजकों के संपर्क में है। इससे पहले भारतीय खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत की नाम से टेस्ट के बाद खून बहने लगा था। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत की मंगलवार को कोरोना जांच हुई जिसके बाद उनकी नाक से खून बहने लगा। स्वास्थ्य अधिकारियों के रवैये से खफा श्रीकांत ने इसे अस्वीकार्य बताया। बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि आयोजकों ने खून बहने के कारणों की जानकारी दी। इसने एक बयान में कहा,कई दौर की कोरोना जांच के बाद किदाम्बी श्रीकांत की नाक से खून बहने लगा था। उसका तीन बार नमूना लिया गया और वह तनाव में भी थे। शायद उसी वजह से उनकी नाक से खून बह निकला। बयान में कहा गया,जांच कर रहे दल ने उस समय उनकी नाक से खून निकलता नहीं पाया और उस समय श्रीकांत ने भी कोई शिकायत नहीं की थी।

नस्लीय छींटाकशी की शिकायत करके सिराज ने नये मानदंड कायम किये : लियोन

ब्रिसबेन, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के शीर्ष आफ स्पिनर नाथन लियोन ने बुधवार को कहा कि दर्शकों के खराब बर्ताव की निंदा करके भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने नये मानदंड कायम किये हैं। उन्होंने यह भी कहा कि क्रिकेट का खेल सभी के लिये है और इसमें किसी तरह के नस्लवाद की जगह नहीं है। सिडनी क्रिकेट मैदान पर सिराज और जसप्रीत बुमराह को चौथे और पांचवें दिन दर्शकों की नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारतीय टीम ने आईसीसी के पास शिकायत दर्ज कराई। लियोन ने एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा , खेल में किसी तरह की नस्लीय छींटाकशी की गुंजाइश नहीं है ।लोगों को लगता है कि वे मजाक कर रहे हैं लेकिन इससे लोगों पर अलग तरह से प्रभाव पड़ सकता है। क्रिकेट का खेल सभी के लिये है और इसमें नस्लवाद की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, यदि आपको लगता है कि मैच अधिकारियों से शिकायत करने की जरूरत है तो करनी चाहिये। आजकल मैदान पर इतने सुरक्षाकर्मी होते हैं कि नस्लीय टिप्पणी करने वालों को तुरंत निकाल बाहर किया जा सकता है। इससे मैच अधिकारियों से शिकायत का चलन भी बनेगा। सिराज को स्क्वेयर लेग सीमा पर दर्शकों ने मंकी और ब्राउन डॉग कहा। सुरक्षाकर्मियों ने इन दर्शकों को मैदान से बाहर कर दिया। लियोन ने कहा , इससे घटना की शिकायत का चलन कायम होगा। यह खिलाड़ी पर निर्भर करता है कि वह शिकायत करना चाहता है या नहीं। मैं उम्मीद करता हूं कि आइंदा लोग इससे उबरकर सिर्फ क्रिकेट देखने आयेंगे और खिलाड़ियों को नस्लीय दुव्यर्वहार की चिंता नहीं करनी होगी।

आस्ट्रेलियाई कोच लैंगर ने किया कप्तान पेन का बचाव

ब्रिसबेन, एजेंसी। आस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर ने आलोचकों के कोपभाजन बने कप्तान टिम पेन का बचाव करते हुए उन्हें शानदार कप्तान बताया और कहा कि वह कुछ समय और कप्तान बने रहेंगे। भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में खराब विकेटकीपिंग और खेल भावना के विपरीत आचरण को लेकर पेन की काफी निंदा हो रही है। पेन ने सिडनी टेस्ट के आखिरी दिन दर्द के बावजूद खेल रहे रविचंद्रन अश्विन पर छींटाकशी की थी और चिल्लाये भी थे। उन्होंने मैच में तीन कैच भी छोड़े। लैंगर ने एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा,आपको पता भी नहीं है कि टिम पेन पर मुझे कितना भरोसा है। वह अपना सर्वश्रेष्ठप्रदर्शन नहीं कर सका लेकिन वह तीन साल से आस्ट्रेलिया का शानदार कप्तान रहा है।

सिडनी टेस्ट में अश्विन ने बड़े भाई की तरह रास्ता दिखाया: विहारी

ब्रिस्बेन, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज हनुमा विहारी ने कहा है कि सिडनी टेस्ट में रविचंद्रन अश्विन ने बड़े भाई की तरह उनका मार्गदर्शन किया। इन दोनों की टिकाऊ पारियों के दम पर भारत तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ कराने में सफल रहा था। विहारी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से बात करते हुए कहा, आखिरी ओवर में बल्लेबाजी करना शानदार अनुभव रहा। यह ऐसी चीज थी जिसके बारे में आप सिर्फ सपने में सोच सकते थे- टेस्ट मैच के पांचवें दिन बल्लेबाजी, सीरीज 1-1 से ड्रॉ। अगर आप टीम के लिए कर सकते हैं, तो यह संतुष्टि धीरे-धीरे आपको शांति देती है और फिर आपको पता चलता है कि यह कितना बड़ा प्रयास था। उन्होंने कहा, मैं बेहद खुश हूं। एक बड़े भाई की तरह वह मुझसे जब भी उन्हें महसूस होता कि मैं थोड़ा निराश सा हो रहा हूं तो वह बात कर रहे थे। वह मुझसे कह रहे थे कि सिर्फ एक बार में एक गेंद पर फोकस करो। इसे जितना देर तक ले जा सकते हो ले ले जाओ, 10 गेंद एक बार में.. यह बेहद खास था। अश्विन ने 128 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली और इस दौरान उनकी पीठ में भी दर्द हो रहा था। विहारी ने कहा कि अगर चेतेश्वर पुजारा आखिरी तक होते तो भारत मैच जीत सकता था। उन्होंने कहा, उस मैच में ड्रॉ कराना हमारे लिए शानदार परिणाम रहा। मुझे लगा था कि मैं चोटिल नहीं हूं और पुजारा यहां हैं तो हम परिणाम हमारे पक्ष में होगा और यह एक शानदार जीत होगी। लेकिन फिर भी 10 अंक मिलना बड़ा परिणाम है। पुजारा ने 205 गेंदों का सामना करते हुए 77 रनों की पारी खेली थी। उनके आउट होने के बाद ही विहारी और अश्विन ने शानदार साझेदारी की और सनिश्चित किया कि मैच ड्रॉ रहे। चार मैचों की टेस्ट सीरीज इस समय 1-1 से बराबरी पर है।

अनुष्का शर्मा से हॉस्पिटल में मिलने की अपनों को भी नहीं इजाजत, विराट ने बेटी के लिए टाइट की सिक्यॉरिटी

मुंबई, एजेंसी। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली 11 जनवरी को पैरेंट्स बने हैं। उनके घर बेटी ने जन्म लिया है। विराट ने सोशल मीडिया पर यह खबर फैन्स को दी थी। साथ ही लिखा था कि उनकी प्रिवेसी का सम्मान करें। रिपोर्ट्स हैं कि अनुष्का से हॉस्पिटल में मिलने की इजाजत उनके क्लोज रिलेटिव्स को भी नहीं हैं। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली देश के बड़े सिलेब्स हैं। विराट ने जब अनुष्का की प्रेग्नेंसी की खबर दी थी तो उनके ट्वीट को रेकॉर्ड रीट्वीट और लाइक किया गया था। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में बेटी को जन्म दिया है। रिपोर्ट्स हैं, विराट-अनुष्का ने हॉस्पिटल में किसी से भी फूल या तोहफे ना लेने का फैसला लिया है। यह फैसला कोविड को देखते हुए लिया गया है। वहीं हॉस्पिटल की सिक्यॉरिटी इतनी टाइट है कि अगल-बगल के कमरों में ऐडमिट मरीजों से मिलने वाले लोगों या हॉस्पिटल स्टाफ को उनकी बेटी की झलक ना मिल सके। ये भी खबर है कि हॉस्पिटल के स्टाफ को कड़े इंस्ट्रक्शंस हैं कि वे तस्वीरें ना क्लिक करें। हॉस्पिटल के बाहर फटॉग्रफर्स की भीड़ को देखते हुए उन्हें बैक डोर से निकालने की बात भी सामने आ रही है।

पहले ना, बाद में हां : साइना, प्रणॉय और कश्यप को थाइलैंड ओपन में खेलने को मिली मंजूरी

बैंकॉक, एजेंसी। पूरे हुए दिन हुए हाई प्रफाइल ड्रामा के बाद विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों- साइना नेहवाल, पारुपल्ली कश्यप और एचएस प्रणॉय को थाइलैंड ओपन में खेलने की इजाजत दे दी है। इससे पहले कहा गया था कि इन खिलाड़ियों का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव है और इसके कारण वे टूर्नमेंट से हट गए हैं। मंगलवार को दिन की शुरूआत में खबरें आई थीं कि साइना और उनके पति कश्यप ने एक साथ रूम साझा किया था और उन दोनों को क्वारंटीन में रहने को कहा गया था। कहा गया कि बाद में उन्होंने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। लेकिन दिन के अंत में तीनों का नाम ड्रॉ में शामिल कर लिया और अब वे बुधवार को अपने मैच खेलेंगे। पहले राउंड में प्रणॉय का सामना मलेशिया के ली जी जिया से जबकि कश्यप का सामना कनाडा के जेसन एंथोनी शुए से होगा। वहीं, साइना अपने पहले राउंड में मलेशिया की किसोना सेल्वाडुरेय से भिड़ेगी। भारतीय टीम कोविड-19 टेस्ट के पहले दो राउंड में निगेटिव पाए गए थे। हालांकि मंगलवार को हुए तीसरे राउंड के टेस्ट में साइना और प्रणॉय के पॉजिटिव आने की खबर आई थी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव अजय सिंघानिया ने कहा, 'हम बीडब्ल्यूएफ के साथ-साथ आयोजकों और हमारी टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

सही नहीं थी आईपीएल की टाइमिंग, चोटें उसी की देन : लैंगर

ब्रिसबेन, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर को इंडियन प्रीमियर लीग पसंद है लेकिन उन्होंने पिछले सत्र की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि मौजूदा श्रृंखला में भारत और आस्ट्रेलिया के इतने क्रिकेटरों के चोटिल होने में इस लीग का भी योगदान है। कोरोना महामारी के कारण आईपीएल सितंबर से नवंबर के बीच यूएई में खेला गया।आम तौर पर यह अप्रैल मई में भारत में होता है। आईपीएल के बाद से भारत के कई खिलाड़ी चोटिल हैं और आस्ट्रेलिया टीम भी फिटनेस समस्याओं से जूझ रही है। लैंगर ने एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा,इस सत्र में चोटों की सूची लंबी है। मुझे लगता है कि आईपीएल 2020 की टाइमिंग सही नहीं थी। खास तौर पर इतनी बड़ी श्रृंखला से पहले तो कतई नहीं। भारत के प्रमुख खिलाड़ी मोहम्मद शमी, के एल राहुल और उमेश यादव तो चोटों के कारण श्रृंखला से बाहर हुए ही और अब ताजा नाम रविंद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह का भी जुड़ गया है। आस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर पहले दो टेस्ट नहीं खेल सके। लैंगर ने हालांकि आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा,मुझे आईपीएल पसंद है। यह उसी तरह है जैसे मेरे युवा दिनों में काउंटी क्रिकेट था। काउंटी खेलकर क्रिकेट कौशल का विकास होता था और अब आईपीएल से सीमित ओवरों के खेल में निखार आ रहा है। उन्होंने कहा,लेकिन इस बार टाइमिंग सही नहीं थी। दोनों टीमों में कितने खिलाड़ी चोटिल हैं जो लीग का असर भी हो सकता है।